जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, बुधवार 20 सितम्बर, 2023


# सिर्फ 10 दिन में
# फिर से 5 लाख तक का फायदा

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

## PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

| बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट | | अगस्त की रेट | सितम्बर की रेट | अक्टूबर की रेट | नवम्बर की रेट | दिसम्बर की रेट | जनवरी की रेट | पजेशन की रेट | POSSESSION DEC. 2025 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| युनिट टाइप | साइज | NPO NEW PRODUCT OFFER | +5% | +10% | +15% | +20% | +25% | +50% | पजेशन के बाद रैंटल |
| 2 BHK (GF) अपार्टमेंट | 1350 Sq Ft | 45 L | 47.25 L | 49.50 L | 51.75 L | 54 L | 56.25 L | 67.50 L | 22,000 |
| 3 BHK (SF) अपार्टमेंट | 1900 Sq Ft | 50 L | 52.50 L | 55 L | 57.5 L | 60 L | 62.50 L | 75 L | 25,000 |
| 3 BHK (FF) अपार्टमेंट | 1900 Sq Ft | 55 L | 57.75 L | 60.5 L | 63.25 L | 66 L | 68.75 L | 82.50 L | 28,000 |
| 3 BHK BIG कोठी | 2000 Sq Ft | 60 L | 63.00 L | 66 L | 69 L | 72 L | 75 L | 90 L | 30,000 |
| 4 BHK BIGGER कोठी | 2325 Sq Ft | 70 L | 73.50 L | 77 L | 80.50 L | 84 L | 87.50 L | 105 L | 40,000 |
| 4 BHK BIGGEST कोठी | 3200 Sq Ft | 100 L | 105 L | 110 L | 115 L | 120 L | 125 L | 150 L | 50,000 |

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

## विचार बिन्दु

**पराधीनता समाज के समस्त मौलिक निमयों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु**

# चट मंगनी पट ब्याह जैसा है विज़न 2030 दस्तावेज बनाना

सत्ता में बैठे नेताओं को चुनावों से ठीक पहले प्रदेश के चहुंमुखी विकास एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का संकल्प याद आया है। यह भी याद आया है कि इसके लिए सरकार को यह प्रयास करना है कि राजस्थान वर्ष 2030 तक देश का अठाणी राज्य बने। अपने पांच साल के कार्यकाल के साढ़े चार वर्ष बीत जाने पर राज्य सरकार को अब लगा है कि भावी राजस्थान का नक्शा बनाया जाए। वे इसे विज़न 2030 दस्तावेज कह रहे हैं। सरकारी घोषणा कहती है कि राज्य को देश का अठाणी राज्य बनाने हेतु हर क्षेत्र के लिए मानकों के निर्धारण एवं इन मानकों को प्राप्त करने हेतु संकल्पबद्ध कार्ययोजना तैयार किये जाने के लिएराज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री की आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद के नेतृत्व में यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। अचानक आई इस याद पर काम करने का जबरदस्त प्रचारसरकार शासन तंत्र की मदद और राजकोष के धन से करके यह जताने का प्रयास कर रही है कि वह राज्य के विकास के प्रति कितनी जागरूक और समर्पित है! सरकारी घोषणा कहती है कि ''यह आवश्यक है कि इस दस्तावेज में प्रदेश के प्रबुद्धजनों, विषय विशेषज्ञों, हितधारकों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों के सुझावों एवं प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं को सम्मिलित किया जावे।'' इसलिए लोगों की राय जानने के लिए राज्य में 15 अगस्त से अभियान चलाया जा रहा है जो 30 सितंबर तक चलेगा। इसे ''राजस्थान–मिशन 2030 अभियान नाम दिया गया है। लोग चिट्ठी लिख कर, ईमेल करके, और इसके लिए बनाए गए पोर्टल पर लोग अपने सुझाव दे सकते हैं। इसके लिए शासन तंत्र स्कूलों में बच्चों की निबंध प्रतियोगिताएं करा रहा है तो राहगीरों तक से फटाफट कागज काले कराए जा रहे हैं। इस भरे पूरे आयोजन के लिए सरकारी वेबसाइट पर बताया गया है कि राजस्थान–मिशन 2030 अभियान के अन्तर्गत जो प्रमुख गतिविधियां संचालित की जायेंगी उनमें शामिल हैं: इस मिशन के उद्देश्यों एवं अपेक्षाओं के बारे में मुख्यमंत्री द्वारा संबोधन, तथा उनका विभिन्न हितधारकों/प्रभावशाली समूहों के साथ संवाद/मुलाकात, आमजन से ऑनलाइन अपेक्षाएं/विचार/सुझाव आमंत्रित करना, विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इस संबंध में ऑनलाइन विचार/ सुझाव आमंत्रित करना, विभागीय स्तर पर संबंधित हितधारकों के साथ गहन परामर्श करना, फेस टू फेस सर्वे करना, आईवीआर सर्वे करना, स्कूलों/कॉलेजों में मिशन 2030 के लिए लेख प्रतियोगिताएं आयोजित करना, वीडियो कॉन्टेस्ट कराना, विभागों द्वारा विभागीय मिशन दस्तावेज – 2030 के प्रारूप तैयार करना, विभागीय मिशन दस्तावेजों का सेक्टर–वाईज प्रकाशन करना तथा अंत में राज्य के विजन–2030 दस्तावेज को जारी करना। यह समय के विरुद्ध रेस है क्योंकि चुनाव आचार संहिता लगने से पहले यह अभ्यास पूरा करना है ताकि लोग इस सपने को लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंचें।

सरकार के प्रमुख, जिनके चेहरे पर सारा सरकारी प्रचार हो रहा है, वे एक विशेष प्रकार का पट्ट गले में डाले आश्वस्त लगते हैं कि चट मंगनी पट ब्याह की तरह 2030 का विज़न दस्तावेज़ बना दिया जाय तो अन्य राहतों की बरसात में वोटों की खेती की अच्छी फसल लेने के लिए यह खाद का काम कर सकता है। यह प्रयास भी है कि प्रचार के मुलम्मे में सत्ता में चल रही वर्चस्व की बदसूरत जंग छुप जाये और हर एक के हाथ में राहत का ऐसा झुनझुना पकड़ा दिया जाये जिसकी खनखनाहट में आम जन के दर्द की कराहटें सुनाई न पड़े। व्यक्तिगत प्रचार के लिये सरकारी संसाधनों का भरपूर राजनीतिक उपयोग इस प्रकार हो रहा है जैसे राजकोष सत्ता में बैठे राजनेताओं की निजी गुल्लक है। राजस्थान में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में 'ब्रांड गहलोत' तैयार किया गया है जिसका अंतर्निहित भाव सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर या बाहर उनकी हर प्रकार की चुनौती को खत्म किया जाए। मैं तुम्हें राहतें देता हूं तुम मुझे वोट देना व्यापारिक सौदा करने जैसा है। मतदाताओं से आशा की जा रही है कि सरकार से प्राप्त लाभों के लिए वे अपना वोट देकर अहसान से उऋण हों। फ्रेंचाइजी मोड ने नेताओं की भौतिक लाभ की भूख भी बढ़ा दी है और दिखावे की नैतिक राजनीति को भी ताक पर रख दिया गया है। राहतों के नाम पर कैश, सामठाी और सब्सिडी देकर वोटों का प्रबंधन करने की कोशिश है। इसे आर्थिक विश्लेषक गैर–कॉर्पोरेट प्रकार के पूंजीवाद का मॉडल बताते हैं।

> **यदि कोई पूछे कि ये बातें सरकार को अपने कार्यकाल के अंत समय में ही क्यों सूझती है तो प्रचारतंत्र इतना शोर मचाता है कि सवाल सुनाई ही नही पड़ता। इस सवाल को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाता है कि राज्य के प्रशासन तंत्र को आम जन के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को जवाबदेही कानून बनाने की अपनी ही घोषणाएं और वादे क्यों याद नहीं आए!**

राजस्थान विज़न 2030 के लिए, मुख्य सचिव के अनुसार, ढाई करोड़ से अधिक सुझाव मिल भी चुके हैं। प्रशासन तंत्र की मुखिया का कहना है कि सारगर्भित सुझावों को विजन दस्तावेज में शामिल किया जाएगा। जन कल्याण एप के माध्यम से फेस–टू–फेस सर्वे भी किया जा रहा है जिसके तहत लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक प्रदेशवासियों तक पहुँच गया है। जिस संख्या में सुझावों का मिलना बताया गया है उसके हिसाब से तो 30 सितंबर तक उनकी संख्या शर्तिया तीन करोड़ से ऊपर पहुंच जाएगी। इसे हम लोकतंत्र में जन भागीदारी मान लें तो अब गेंद सरकार के पाले में है। तीन करोड़ से अधिक सुझावों को आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद के नेतृत्व में कौन सारणीबद्ध करेगा, कौन पढ़ेगा और कौन उनका सार निकाल कर उनको विज़न दस्तावेज में शामिल करने के लिए छांटेगा? यह काम आनन–फानन में कुछ दिनों में नहीं हो सकता। मगर सरकारी तंत्र कुछ भी कर देने का जादू दिखा सकता है। बेहतर होता मुख्यमंत्री पहले खुद बताते कि उनका अपना विज़न क्या है या अपनी पार्टी से विजन दस्तावेज का प्रारूप बनवाते उसे सर्वजनिक करते और उस पर लोगों से राय मांगते। इस अभ्यास से लगता है उनकी स्लेट कोरी है और उस पर क्या लिखना है वह लोगों से पूछा जा रहा है। विजन के पहले उसका दर्शन आवश्यक होता है जिससे पता चले कि किस आधार पर 2030 में पहुंचने का सपना देखा जाए। लेकिन यहां तो जुगाड़ है।

आज हमारे राजनेताओं तथा प्रशासन तंत्र में एक ही सोच दिखता है कि प्रचार के जरिए किस प्रकार लोगों के विचारों पर नियंत्रण रखा जाए। गांव स्तर से लगा कर राजधानी तक सब जगह यही हाल है। सभी इसे साधने में लगे हैं। कानूनों को कैसे नज़रंदाज़ किया जाए या उनका दुरुपयोग कैसे किया जाए। हर जगह निहित स्वार्थों का बोलबाला है। रोज भ्रष्टाचारियों को पकडे जाने की खबरें आती है मगर किसी को कानून का भय सताता नज़र नहीं आता। अब तो भ्रष्टाचार में पकड़े जाने पर सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी असर नहीं होता। रिश्वत लेने वालों की निगाहें नीची नहीं होती, उनमें गजब का आत्मबल दिखता है। पहले गली मोहल्लों में ही दादा होते थे राजनीति के लोग उनसे कभी कभार मदद ले लिया करते थे। अब वे दादा खुद ही राजनेता बनने लगे हैं। ऐसे में लोग क्या करें? वे इन्हें रॉबिनहुड मान कर अनेक बार सांविधानिक संस्थाओं में भेज देते हैं। आपराधिक मामलों का सामना करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों की सूची देखने पर अब किसी को आश्चर्य भी नहीं होता। कोई भी इनके सामने खड़ा होने की हिम्मत नहीं करता क्योंकि राज में जाने और बने रहने के लिए इनकी मदद लेनी होती है। भ्रष्टाचार अब लोकतान्त्रिक संस्थाओं के अस्तित्व को ही संकट में डालने की कगार पर है। हालात किसी के नियंत्रण में नहीं है। भ्रस्टाचार का एक परनाला बंद करते हैं तो पाते हैं कि उसने तो नई नलियां बना ली है।

मगर चुनाव सत्ता में बैठे नेताओं को लोक हित में कुछ करने के लिए बाध्य करते हैं, और यह लोकतंत्र का मजबूत पहलू है। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार को अपने राज्य को अग्रणी बनाने का सपना होना ही चाहिए। जनता इसी आस में हर पांच साल में एक बार मतदान केंद्रों पर जाकर अपने प्रतिनिधि चुनती है। आम आदमी के सपने को यदि विजन 2030 बनाया जाए तो वह एक ऐसा आधुनिक, सुखीऔर समृद्ध राजस्थान होगा जहां समृद्धि और सुविधाओं का लाभ राजनेताओं के साथ गठजोड़ करके बाजार की आवारा ताकतें नहीं चुरा पायेंगी; सरकारी स्कूलों के बच्चों को आलीशान निजी स्कूलों जैसी भौतिक सुविधाएं भले ही न मिले मगर वहां शिक्षकों के सैकड़ों पद खाली न रहेंगे और वे पूरे समय स्कूलों में उपलब्ध रह कर बच्चों की पढ़ाई पर मेहनत करेंगे; सरकारी अस्पताल और डिस्पेंसरियां पांच सितारा होटलों जैसे निजी अस्पतालों की इमारतों की नकल नहीं करेंगी मगर वहां चिकित्सक और अन्य स्टाफ ईमानदारी तथा सेवा भावना से काम करते मिलेंगे; नागरिक सुविधाएं सिंगापुर जैसी भले न हों मगर शर्मनाक भी नहीं होंगी; किशोर छात्रों की आत्महत्याओं, बलात्कारों, जाति और संप्रदाय की हिंसा और दुर्घटनाओं की खबरें रोज पढ़ने को नहीं मिलेंगी और राजस्थान के आम जन को सरकारी सेवाओं में सर्वव्यापी भ्रष्टाचार से निजात मिलेगी। यह कोई नया विजन नहीं है। हम रियासती राजस्थान से गणतांत्रिक राजस्थान बनने के समय से ही यह सपना देखते आए हैं। चुनाव घोषणापत्रों में भी विजन ही होता है जिसे पाने के लिए प्रत्येक पार्टी सत्ता पर काबिज होने के लिए चुनाव में नागरिकों का मत पाना चाहती है। ऐसी बातें चुनाव के समय में अधिक मुखर हो उठती है। यदि कोई पूछे कि ये बातें सरकार को अपने कार्यकाल के अंत समय में ही क्यों सूझती है तो प्रचारतंत्र इतना शोर मचाता है कि सवाल सुनाई ही नही पड़ता। इस सवाल को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाता है कि राज्य के प्रशासन तंत्र को आम जन के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को जवाबदेही कानून बनाने की अपनी ही घोषणाएं और वादे क्यों याद नहीं आए!

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# उत्तम मार्दव धर्म अर्थात् विनयशीलता, कोमलता, मृदुता का भाव होना



**भागचंद जैन मित्रपुरा**

**जैन** धर्म के दशलक्षण धर्म आत्मा के स्वाभाविक धर्म है । ये दस धर्म सार्थक जीवन जीने के अभिन्न अंग है । आज द्वितीय दिवस – उत्तम मार्दव धर्म दिवस है ।

मार्दव अर्थात् विनयशील होना, मृदुता, कोमलता का भाव होना और मान, मद, अभिमान, अहंकार आदि दुर्गुणों का अभाव होना । किसी अहंकारी की तुलना मादक पदार्थ का सेवन करने वाले नशे में चूर व्यक्ति से से की जाती है। जैसे नशे में चूर व्यक्ति को कोई समझा नहीं सकता, औरों की तो बात ही क्या उसके सगे संबंधी जन भी उसे समझाने में असमर्थ होते हैं, उसी प्रकार प्रमादी, अभिमानी व्यक्ति को भी कोई समझा नहीं सकता ।

याद रखिए, जो विनयशील है उसका त्याग दान इत्यादि करना सफल है, फलदायक होता है लेकिन अभिमानी का सब निष्फल है ।अभिमानी के बिना अपराध किए ही सब लोग उसके दुश्मन हो जाते हैं, सभी लोग अभिमानी की निंदा करते हैं, उसके किसी भी दुखः में कोई साथ देना नहीं चाहता है और प्रतिपल उसका पतन होते देखना चाहते हैं। अभिमानी व्यक्ति अपनी किसी अनपेक्षित तात्कालिक उपलब्धि पर अपने आप को शक्तिशाली समझने लगता है । अहंकारवश उसके हित/अहित की बात भी उसे समझ में नहीं आती है । वह अपने झूठे मान के लिए छल–कपट करता है तथा वांछित परिणाम प्राप्त नहीं होने पर क्रोधित हो जाता है । मान कषाय यानी अभिमान के कारण जीव अकड़ में रहता है ।

सुविचार के अनुसार अकड़ निर्जीवता का लक्षण है। हरी–भरी डालियां अपने लचीलापन से आंधी तूफान सहन करने की क्षमता रखती है एवं अपने अस्तित्व बचाने के साथ विकसित होती रहती है, लेकिन सूखी डाली जो कड़क रहती है, जो तेज हवा, आंधी–तूफान सहन नहीं कर सकती है, उसकी नियति अंततः पेड़ से कटकर अलग होना ही है । इसी प्रकार अकड़ने वाला व्यक्ति समाज में, परिवार में, कहीं भी स्वीकार्य नहीं होता है । वैसे भी मृत शरीर ही अकड़ता है और ऐसे शरीर को मिट्टी में मिला दिया जाता है यानी उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है । तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति झुकना जानता है जिसमें परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता है, वही व्यक्ति आत्मा के सहज स्वाभाविक विनय– मार्दव धर्म की आराधना करता है एवं समझौता किए बिना अपना वर्चस्व कायम रख सकता है ।

अकसर धन, दौलत, शान और शौकत को ही मनुष्य अपना जीवन समझता है, जबकि ये सभी नाशवान है, क्षणभंगुर हैं ये सभी चीजें एक दिन सबको छोड देंगी या फिर एक दिन मजबूरन इन चीजों को छोडना ही पडेगा । अतः इन तुच्छ नाशवान चीजों के पीछे भागने से अच्छा है कि अभिमान और परिग्रह को छोडा जाये और सभी से विनम्र भाव से व्यवहार करे । सभी को एक न एक दिन जाना ही है, तो सबसे पहले स्वयं को पहचाने । मैं कौन हूं, यह जानने की कोशिश कर । मार्दव धर्म हमें स्वयं की सही वृत्ति को समझने का माध्यम है।

उत्तम मार्दव विनय प्रकासै, नाना भेदज्ञान सब भासै ।

उत्तम मार्दव धर्म का पालन करने से विनयशीलता का भाव प्रकट होता है एवं विविध भेद ज्ञान समझ में आने लगते है।

दशलक्षण धर्म के एक एक धर्म सम्पूर्ण है, प्रत्येक का अपना महत्व है।

अपनाकर देखिए ।

**–भागचंद जैन मित्रपुरा,**
**अध्यक्ष, अखिल भारतीय**
**जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।**

# हिन्दू मुसलमानों की एकता के प्रतीक एवं वंचित समाज के मसीहा लोक देवता रामसापीर



**डा. जे.के. गर्ग**

**विक्रम** संवत 1409 की भादवा शुक्ल दूज के दिन पश्चिम राजस्थान के पोकरण शहर के नजदीक रुणिचा नामक स्थान के शासक अजमल के घर बाबा रामदेव का अवतार हुआ था । राजस्थान के जन जन के मसीहा पांच पीरों मे बाबा रामसा पीर का प्रमुख स्थान है। बाबा रामदेव तंवर राजपूत थे जिसे मान्यताओं के मुताबिक भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है। मान्यताओं के मुताबिक राजा अजमल ने पुत्र प्राप्ति हेतु दान पुण्य और अनेकों यज्ञ किये । द्वारकाजी में अजमल जी को भगवान के साक्षात दर्शन हुए तब राजा अजमल ने उनसे उनके घर में उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने की याचना की तब भगवान द्वारकानाथ ने राजा अजमल ने कहा मैं तुम्हे वचन देता हूँ कि तुम्हारा पहला बेटा वीरमदेव होगा और दूसरे बेटे के रूप में मै खुद तुम्हारे आपके घर आउंगा।

भगवान ने यह भी कहा कि जब में अवतरित होउंगा तब उस रात आपके राज्य के जितने भी मंदिर है उसमें घंटियां अपने आप बजने लग जायेगी, महल में जो भी पानी होगा वह दूध में बदल जाएगा तथा मुख्य द्वार से जन्म स्थान तक कुमकुम के पैर नजर आयेंगे वहीं आकाशवाणी भी सुनाई देगी और में रामदेव जी के नाम से प्रसिद्ध हो जाऊँगा। कहा जाता है कि श्री रामदेव जी के जन्म लेते ही ऐसी सभी चमत्कारिक घटनाएं घटित हुई । समय के साथ–साथ बाबा रामदेव जी की प्रसिद्धि भारतवर्ष के साथ दुनिया के अनेकों देशों में फेल गई। बाबा रामदेव जी से प्रभावित होकर उस समय के हजारों हिन्दू जो मुसलमान बन गये थे पुनः हिन्दू धर्म में परिवर्तित होने लगे।

रारामदेव जी के बचपन की अद्भुत घटनायें एक दिन सुबह रामदेव एवं विरमदेव अपनी माता मैणादे की गोद में खेल रहे तब उनकी मां दूध को गर्म करने के लिये उसे भगोनी में डाल कर चूल्हे पर चढ़ाने चली गई, उसी वक्त रामदेव जी अपनी माता को चमत्कार दिखाने के लिये अपने बड़े भाई विरमदेव जी के गाल पर चुमटी काट दी जिससे विरमदेव को क्रोध आ गया और उन्होंने राम देव को धक्का मार कर गिरा दिया । रामदेवजी गिर गये और रोने लगे हैं। रामदेव जी के रोने की आवाज सुनकर माता मैणादे दूध को चुल्हे पर ही छोड़कर उनके पास आ गई और रामदेव जी गोद में लेकर पुचकारने लगी।

उधर दूध को भगोनी के बाहर गिरता देखती माता मैणादे रामदेवजी को गोदी से नीचे उतारना चाह रही थी किन्तु उन्होंने उस वक्त देखा रामदेवजी अपना हाथ दूध की ओर करके अपनी देव शक्ति से उस बर्तन को चूल्हे से नीचे आसानी से जमीन पर रख दिया। यह चमत्कार देखकर माता मैणादे वहीं पर उपस्थित पिता अजमलजी तथा नोकर–चाकर अचम्भित होकर भगवान द्वारकानाथ की जय जयकार करने लगे । कपड़े के घोड़े को आकाश में उड़ना बालक रामदेव ने अपने पिता से खिलोने वाले घोड़े की जिद की तब राजा अजमल ने खिलोने वाले को चन्दन और मखमली कपडे का घोड़ा बनाने को कहा। कीमती मखमली कपड़ों को देख खिलोने वाले के मन में लालच आ गया और उसने बहुत सारा कपडा अपनी पत्नी के लिये रख लिया और और बहुत कम कपड़े से घोडा बना कर राजा को दे दिया । जब बालक रामदेव घोड़े पर बैठे तो घोड़ा उन्हें लेकर आकाश में चला ग़या। राजा खिलोने बनाने वाले पर गुस्सा होते उसे जेल में डाल दिया। कुछ समय पश्चात, बालक रामदेव वापस घोड़े के साथ आये। खिलोने वाले ने राजसी कपड़े को चुराने की बात कबूल कर रामदेवजी से उसे राजा के क्रोध से बचाने के लिये प्राथना की, बाबा रामदेव ने दया दिखाते हुए उसे माफ़ किया। आज भी, कपड़े वाला घोड़ा बाबा रामदेव की खास बढ़ावा माना जाता है।

रामापीर का प्रसिद्ध मेला उत्तर भारत में धूमधाम गाजेबाजे के साथ हर साल दस दिन भाद्रपद शुक्ल 2 से भाद्रपद शुक्ल 11तक मनाया जाता है इस वर्ष यह मेला 7 17 सितंबर 2023 से 26 सितम्बर 2023 तक मनाया जा रहा है । राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। रामदेवरा मेला में हज़ारों भक्त दूर–दूर से बड़े–बड़े समुहों में नाचते गाते–भजन कीर्तन करते हुये पैदल, बसों,कारों, बेलगाड़ियों ट्रेक्टर या अन्य साधनों से आते है मुसलमानों के मसीहा लोक देवता रामदेव जी रामदेव पीर, रामसा पीर, के नामों से जाने जाते हैं।

निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की गंगा जमुना साँझा संस्कृति की अद्भुत मिशाल पेश करता है इस पवित्र जगह को साम्प्रदायिक सद्भाव संगम कहा जाता है।

रामापीर का प्रसिद्ध मेला उत्तर भारत में धूमधाम गाजेबाजके साथ हर साल दस दिन भाद्रपद शुक्ल 2 से भाद्रपद शुक्ल 11 तक मनाया जाता है इस वर्ष यह मेला 17 सितंबर 2023 से 26 सितम्बर 2023 तक मनाया जा रहा है । राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। रामदेवरा मेला में हज़ारों भक्त दूर–दूर से बड़े–बड़े समुहों में नाचते गाते–भजन कीर्तन करते हुये पैदल, बसों, कारों, बेलगाड़ियों ट्रेक्टर या अन्य साधनों से आते है मुसलमानों के मसीहा लोक देवता रामदेव जी रामदेव पीर, रामसा पीर, के नामों से जाने जाते हैं । निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की गंगा जमुना साँझा संस्कृति की अद्भुत मिशाल पेश करता है इस पवित्र जगह को साम्प्रदायिक सद्भाव संगम स्थल भी कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ।

जन के सेवक और उनके कष्टों को मिटाने वाले रामसापीर रामदेवजी ने राजा बनकर नही अपितु जनसेवक बनकर गरीबों, दलितों, असाध्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों व जरुरत मंदों की हर सम्भव से सहायता और सेवा की। उनकी दया के पात्र हिन्दुओं के साथ मुस्लिम भी होते थे । संवत् 1442 में अपने हाथ में श्रीफल लेकर अपने सारे बुजुर्गों को प्रणाम किया, सभी उपस्थित भक्तों ने पत्र पुष्प चढ़ाकर रामदेव जी का श्रद्धा से अन्तिम पूजन किया। रामदेव जी ने समाधी में खड़े होकर सब के प्रति अपने अन्तिम उपदेश देते हुए कहा प्रति माह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। प्रतिवर्ष मेरे जन्मोत्सव के उपलक्ष में तथा अन्तर्ध्यान समाधि होने की स्मृति में मेरे समाधि स्तर पर मेला लगेगा। मेरे समाधी पूजन में किसी से भेदभाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहुँगा ऐसा कहकर रामदेव जी महाराज ने समाधि ले ली।

रामदेव मन्दिर मंदिर के समीप ही स्वयं रामदेव जी द्वारा खुदवाई गई परचा बावड़ी अपनी स्थापत्य कला में बेजोड़ है। इस बावड़ी का निर्माण फाल्गुन सुदी तृतीया विक्रम संवत् 1897 को पूर्ण हुआ। बावड़ी का जल शुद्ध व मीठा है। बावड़ी का निर्माण रामदेव जी के कहने पर बाणिया बोयता ने करवाया था। बावड़ी पर लगे चार शिलालेखों से पता चलता है कि घामट गांव के पालीवाल ब्राह्मणों ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इस बावड़ी का जल रामदेवजी का अभिषेक करने के काम में लाया जाता है।

समाधी स्थल के पास ही रामदेव जी की परम भक्त शिष्या डाली बाई की समाधि और कंगन हैं। डाली बाई का कंगन पत्थर से बना है और इसके प्रति धर्मालुओं में गहरी आस्था है। मान्यता के अनुसार इस कंगन के अन्दर से होकर निकलने पर सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। मंदिर आने वाले लोग इस कंगन के अन्दर से निकलने पर ही अपनी यात्रा पूर्ण मानते हैं।

रामदेवरा मंदिर बीकानेर के महाराजा श्री गंगा सिंह जी ने रामदेवजी के वर्तमान मंदिर का निर्माण सन् 1939 में करवाया था, उस वक्त इसके निर्माण पर 57 हजार रुपये व्यय हुए थे। रामदेवरा मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ बाबा रामदेव की मूर्ति भी है और मजार भी । माना जाता है कि बाबा के पवित्रा राम सरोवर में स्नान से अनेक चर्म रोगों से मुक्ति मिलती है । रामदेवरा मंदिर में आस पास के श्रद्धालुओं के साथ साथ राजस्थान के दूरदराज एवं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों के हजारों श्रद्धालु भी आते हैं। पैदल यात्रियों के समूह मेले के दिन से बहुत पहले से बाबा की जयकार करते हुये, भजन कीर्तन करते हुए बाबा के दर्शन करने और मनोती मांगने पहुचते है।

इन श्रद्धालुओं के चाय–पानी तथा खाने पीने के लिए रास्तों में अनगनित भंडारे स्थानीय भक्तों दुवारा लगाये जाते हैं । यहां कोई न छोटा होता है न कोई बड़ा। यहां मंदिर में नारियल, पूजन सामग्री और प्रसाद की भेंट चढाई जाती है । मंदिर के बाहर और धर्मशालाओं में सैकड़ों यात्रियों के खाने–पीने का इंतजाम होता है । मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं । निसंतान दम्पत्ति कामना से अनेक अनुष्ठान करते हैं तो मनौती पूरी होने वाले बच्चों का झड़ूला उतारते हैं और सवामणी करते हैं । रोगी रोगमुक्त होने की आशा करते हैं तो दुखी आत्माएं सुख प्राप्ति की । यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि सैकड़ो श्रद्धालु पहले जोधपुर में बाबा के गुरु के मसूरिया पहाड़ी स्थित मंदिर में भी दर्शन करना नहीं भूलते हैं और उसके बाद जैसलमेर की तरफ रामदेवरा मन्दिर की तरफ कूच करते हैं । बहुत से लोग रामदेवरा में मन्नत भी मांगते हैं और मुराद पूरी होने पर कपड़े का घोड़ा बनाकर मंदिर में चढ़ाते हैं । निःसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की साँझा संस्कृती की मिशाल पेश करता है ।

**–डा. जे.के. गर्ग,**
**पूर्व संयुक्त निदेशक**
**कॉलेज शिक्षा जयपुर**

# मां शाकंभरी का मेला भादवा सुदी अष्टमी को भरेगा

**सांभरझील,** (निसं)। यहां से 25 किलोमीटर सुदूर पहाड़ी पर स्थित मां शाकंभरी का भादवा सुदी अष्टमी को वार्षिक मेला भरेगा। मेले से एक दिन पहले आसपास के क्षेत्रों से माता के दरबार के लिए पदयात्रियों का जत्था भी रवाना होगा।

सांभर नकाशा चौक स्थित माताजी के चबूतरा से भी पूजा अर्चना के बाद रवाना होंगे। सैंकड़ों की तादाद में माता के दर्शन व परिवार की खुशहाली के लिए महिला श्रद्धालु व भक्तगण दूरदराज से भी यहां पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि शाक पर आधारित तपस्या के कारण शाकंभरी नाम पड़ा। इस तपस्या के बाद यह स्थान हराभरा हो गया। नंदीकेश्वर मेला कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप व्यास ने बताया कि शाकम्भरी को दुर्गा का अवतार भी माना जाता है। शाकंभरी माता के देशभर में तीन शक्तिपीठ है। इनमें से सबसे प्राचीन शक्तिपीठ सांभर (शाकंभर) कस्बे में स्थित है। मंदिर करीब 2500 साल से भी अधिक पुराना है। शाकंभरी माता चौहान वंश की कुलदेवी है लेकिन, माता को अन्य कई धर्म और समाज के लोग पूरी श्रद्धा के साथ पूजते हैं। इस मंदिर में पूजा अर्चना का जिम्मा व्यास पुजारी प्रमुखता से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। यहां पर मान्यता पूरी होने पर जैसे परिवारों में विवाह, बच्चे का जन्म जैसे शुभ कार्य होने पर यहां धोक लगाने की परंपरा है। मंदिर में भादवा सुदी अष्टमी को मेला आयोजित होता है। दोनों ही नवरात्रों में माता के दर्शन करने के लिए दूर–दूर से भक्त आते हैं।



**सांभरझील में सुदूर पहाड़ी पर स्थित मां शाकंभरी की प्रतिमा।**

> **यहां प्रतिमा के संबंध में मान्यता है कि देवी की यह प्रसिद्ध मूर्ति भूमि से स्वतः प्रकट हुई है**

यहां प्रतिमा के संबंध में मान्यता है कि देवी की यह प्रसिद्ध मूर्ति भूमि से स्वतः प्रकट हुई है। विभिन्न लेखों के अनुसार, चौहान वंश के शासक वासुदेव ने सातवीं सदी में सांभर झील और सांभर नगर की स्थापना शाकंभरी माता के मन्दिर के पास की थी। शाकंभरी के नाम से ही शाकंभर नगर प्रसिद्ध हुआ और कालांतर में धीरे–धीरे अपभ्रंश सांभर के नाम से जाना जाने लगा। महाभारत, शिव पुराण और मार्कण्डेय पुराण जैसे धर्म ग्रंथों में माता शाकंभरी का उल्लेख मिलता है। इसके अनुसार,100 साल तक निर्जन स्थान पर जहां बारिश भी नहीं होती थी माता ने तपस्या की थी। इस तपस्या के दौरान माता ने केवल महीने में एक बार शाक यानि वनस्पति का सेवन किया था।

## राशिफल



**पंडित अनिल शर्मा**

**बुधवार 20 सितम्बर, 2023**

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, विशाखा नक्षत्र दिन 2:59 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 3:05 तक, बालव करण दिन 2:17 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:44 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

कुमार योग 2:59 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 2:59 से आरम्भ होगा। आज ऋषि पंचमी, भाई पांच, जैन सम्वत्सरी (पचमी पक्ष) है। आज रक्षा पंचमी, गुरू पंचमी है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:50 से 12:20 तक, चर 3:22 से 4:52 तक, लाभ 4:52 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:24

**मेष**
अपनां कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

**वृष**
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

**कर्क**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों में परेशानी हो सकती है। आपसी वाद–विवाद, मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कन्या**
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

**तुला**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

**धनु**
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

**मकर**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मीन**
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 56 प्रभात बीकानेर, बुधवार 20 सितम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

# क्या महिला आरक्षण राजनीति से चुनावों में लाभ होगा भाजपा को

## चुनावी विश्लेषकों की मानें तो ऐसी संभावना बहुत ही कम है

- सूत्रों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्र.मंत्री मोदी की लोकप्रियता के गिरते ग्राफ को रोकने के लिए भाजपा नित नए शगूफे छोड़ रही है, जैसे भारत बनाम इंडिया आदि।
- एक सवाल यह भी है कि, क्या मोदी सरकार पूरी तैयारी के बिना ही वाहवाही लूटने के लिए बिल ले आई है।
- क्योंकि लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, तब ही दिया जा सकता है जब पहले जनगणना हो, जो 2026 में होनी है और फिर चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन हो।
- हालांकि लोकसभा में पूर्ण बहुमत व राज्यसभा में पर्याप्त समर्थन के आधार पर सरकार यह बिल पारित करवा लेगी पर इसका क्रियान्वयन चार साल बाद ही हो सकेगा।

**-श्रीनन्द झा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। ऐसी संभावना दिखाई नहीं दे रही कि महिला आरक्षण विधेयक की राजनीति आगामी विधानसभा चुनावों तथा उसके बाद अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के पक्ष में अपना असर दिखायेगी। हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में चुनावी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में आ रही कमी को लेकर बन रही धारणा से चिंतित भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विभिन्न प्रकार से जनमत परख की कोशिश कर रहा है- उदाहरण के लिये, भारत बनाम इंडिया बहस छेड़ना तथा समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) का मुद्दा उठाना आदि। ऐसा प्रतीत होता है कि 2024 के चुनावों से सात माह पूर्व, महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पेश करने का निर्णय लोकसभा चुनावों से पहले एक और अनुचित लाभ लेने की कोशिश है।

जहाँ इस विधेयक को पेश किये जाने के निर्णय की भाजपा सरकार की पूरी योजना अगले चन्द दिनों में उजागर हो जाने की उम्मीद है, वहीं इस समय कई प्रश्न भी पैदा हो रहे हैं। यह विधेयक मोदी सरकार के अंतिम वर्ष में ही क्यों पेश किया गया है? कोटा के अंदर कोटा के सिद्धांत के ढाँचे के अन्तर्गत, ओ.बी.सी. को शामिल किये जाने की माँग से सत्तारुढ़ दल कैसे निपटेगा? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि, क्या मोदी सरकार पर समय से काफी पहले रिबन काटे जाने का आरोप नहीं लगेगा?

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक का यथार्थतः पारित होना जनगणना प्रक्रिया के पूरे होने (2026 में) के बाद में संभव हो सकेगा। जनगणना के बाद ही चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन का कार्य सम्पन्न होगा। लोकसभा में भाजपा का जबरदस्त बहुमत होने तथा राज्यसभा में भी पर्याप्त संख्याबल होने से ऐसी संभावना है कि, सरकार संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने में सफल हो जायेगी। लेकिन यदि यह चार साल या इससे भी अधिक समय बाद ही लागू हो पाएगा, तो इस मुद्दे से आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को सीमित मात्रा में ही लाभ मिल पायेगा।

कांग्रेस, एक प्रकार से, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की स्वप्रशंसा को चुराने में सफल रही है। पंचायती राज विधेयक राजीव गांधी सरकार ने पारित किया था, जबकि मनमोहन सिंह सरकार ने 2010 में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित करा लिया था। सी.डब्ल्यु.सी की विभिन्न मीटिंगों में, तथा अभी हैदराबाद में हुई सी. डब्ल्यु.सी की मीटिंग में, सोनिया गांधी पूरी दृढ़ता के साथ मांग करती रही हैं कि, महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया जाये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी यही मांग की थी। इसलिये ऐसी संभावना दिखाई नहीं देती कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अकेली भाजपा को ही इसका पूरा -पूरा चुनावी लाभ मिलेगा।

# पूर्व आईजी को मौत के 13 साल बाद मिला न्याय

जयपुर, 19 सितंबर। आईजी जेल के के पद से 32 साल पहले रिटायर हुए रामानुज शर्मा को मौत के करीब 13 साल बाद हाईकोर्ट से न्याय मिला है। हाईकोर्ट ने उनकी पेंशन काटने के 24 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही काटी गई राशि नौ फीसदी ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं।

- स्व. रामानुज शर्मा 32 साल पहले, आई.जी. (जेल) के पद से रिटायर हुए थे। रिटायरमैंट के दिन उन्हें 17 साल पुराने मामले में चार्जशीट देकर पेंशन परिलाभ रोक दिए गए थे। हाई कोर्ट में 24 साल चले इस केस में अंततः स्व. शर्मा के सभी पेंशन परिलाभ मय ब्याज लौटाने के आदेश दिए गए हैं।

जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश रामानुज शर्मा के उत्तराधिकारी राम मधुकर शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि, रामानुज शर्मा तीस जून, 1991 को रिटायर होने वाले थे, लेकिन उन्हें 17 साल पुराने एक मामले में 29 जून, 1991 को चार्जशीट दी गई। जिससे उनके पेंशन परिलाभ रुक गए। वहीं, जून 1999 को लंबित मामले में दो साल तक उनकी पेंशन में से पांच फीसदी राशि काटने की सजा दी गई।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# गहलोत के तीनों "लाडलों" का निलम्बन अभी भी जारी है

## पर मु.मंत्री गहलोत का खेमा अफवाह फैला रहा है कि, शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेन्द्र राठौड़ का निलम्बन रद्द हो गया है

- इस मामले को करीब से देखने वाले एक वरिष्ठ नेता ने तीनों नेताओं का निलंबन रद्द होने की अफवाहों का खंडन किया।
- गहलोत यह अफवाह इसलिए फैला रहे हैं, क्योंकि, वे यह जताना चाहते हैं कि, वे सर्व शक्तिमान हैं और ऐसा कर सकते हैं।

**-रेणु मित्तल-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। राजस्थान कांग्रेस के तीन निलंबित नेताओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सूत्रों ने कहा कि स्थिति वैसी ही है जैसी पहले थी। कोई बदलाव नहीं हुआ है।

गहलोत खेमा यह अफवाह फैला रहा है कि, शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ का निलंबन रद्द हो गया है।

हालांकि मामले को करीब से जानने वाले एक वरिष्ठ नेताओं इन अफवाहों का खंडन किया और कहा कि, निलंबन रद्द नहीं हुआ है। सूत्रों का कहना है कि चुनाव करीब आने के बाद गहलोत यह संकेत देने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि, उन्होंने अपने समर्थकों का निलंबन रद्द करवा दिया है। राजस्थान में कांग्रेस की आंतरिक जंग में रोचक बात यह है कि गहलोत यह दिखाने की कोशिश कर रहे है वे बेहद शक्तिशाली हैं और ऐसा कर सकते हैं। अटकले इतनी जबर्दस्त हैं कि गहलोत खेमे के लोगों ने कहा कि खड़गे के कार्यालय से निर्देश आए हैं। पर संबंधित व्यक्ति से पता चला कि यह कोरी अफवाह है।

# राउज़ एवेन्यु कोर्ट से गहलोत को झटका

जयपुर, 19 सितंबर। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू की निचली अदालत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह के मानहानि परिवाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। सीआरपीसी की धारा 256 के तहत पेश इस प्रार्थना पत्र में सीएम अशोक गहलोत ने परिवादी गजेंद्र सिंह के अदालत में पेश नहीं होने के आधार पर उन्हें दोषमुक्त करने की गुहार की है। इस प्रार्थना पत्र पर गत 14 सितंबर को दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी।

- दिल्ली की अदालत ने मानहानि मुकदमे में दोष मुक्त करने का गहलोत का प्रार्थना पत्र खारिज किया, मुकदमा अभी चलेगा।

सीएम गहलोत की ओर से पेश इस प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि, सीआरपीसी की धारा 256 के तहत प्रावधान है कि, यदि मामले का परिवादी अदालत में हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट को इस आधार पर परिवाद में आरोपी बनाए गए व्यक्ति को दोषमुक्त कर देना चाहिए। प्रकरण में परिवादी गजेन्द्र सिंह सुनवाई के दौरान अदालत में हाजिर नहीं हो रहे हैं। ऐसे में प्रार्थी को प्रकरण से दोषमुक्त किया जाए।

वहीं शेखावत की ओर से कहा गया कि, यदि लंबे समय तक परिवादी अदालत में पेश नहीं हो तो इस धारा के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा बीती दो पेशियों से परिवादी अदालत में हाजिर हो रहे हैं। इसलिए इस प्रार्थना पत्र का अब कोई औचित्य नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# नए संसद भवन में सबसे पहले "नारी शक्ति वंदन" विधेयक पेश हुआ

## महिलाओं को संसद व विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस विधेयक पर कांग्रेस ने कहा यह "हमारा बिल है"

- कांग्रेस के प्रवक्ता ने नई संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि, यह विधेयक कांग्रेस व यू.पी.ए. सरकार के सहयोगी दलों की जीत है। ज्ञातव्य है कि, यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल में 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में यह बिल पारित हुआ था।
- कांग्रेस यह दावा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है कि, यह बिल "हमारा" है।

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। राज्यसभा में 27 साल पहले पेश एवं पारित हो चुके महिला आरक्षण विधेयक को आज नये संसद भवन के प्रथम एजेंडा के रुप में लोकसभा में पेश किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "ईश्वर ने मुझे पवित्र कार्यों के लिये चुना है।"

पुराने संसद भवन के सेन्ट्रल हॉल में आयोजित एक घंटे के समारोह में पुराने संसद भवन को अलविदा कहकर प्रधानमंत्री मोदी सांसदों को नये भवन में ले गये, जहाँ उन्होंने कहा: "ईश्वर ने मुझे पवित्र कार्यों के लिये चुना है। आज हम इतिहास लिखेंगे।--- आइये! नारी -शक्ति के लिये दरवाजे खोलें।" प्रधानमंत्री ने लोकसभा, राज्यसभा तथा राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के लिये "नारी शक्ति वन्दन विधेयक" पेश किये जाने के सरकार के निर्णय की घोषणा कर की।

प्रधानमंत्री, जो किसी अन्य व्यक्ति को श्रेय देने के मामले से सदैव कतराते हैं, ने शेखी बघारते हुये, इस कदम को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का मील का पत्थर बताया, जबकि तथ्य यह है कि, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से ही कांग्रेस विधायी निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में काम करती आ रही है।

विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल द्वारा विधेयक पेश किये जाने के बाद, इसकी हार्ड-कॉपी उपलब्ध न कराये जाने के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन देंगे'

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी लंबे समय से महिलाओं को संसद में आरक्षण देने की मांग कर रही है और सरकार इस विधेयक को लेकर आती है, तो पार्टी इसका स्वागत कर बिना शर्त समर्थन करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा, "हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि वह महिला सशक्तीकरण के पुरजोर समर्थक हैं। उनके लिए दलगत

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा, "हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि, वे महिला सशक्तिकरण के पुरजोर समर्थक हैं। महिलाओं के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठने, अपनी बात कहने और महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पारित कराने का समय आ गया है। कांग्रेस उन्हें बिना शर्त समर्थन की पेशकश करती है।"

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक कान की मशीनें स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑडिजम डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

# कैनडा के प्र.मंत्री हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के तीन माह बाद भारत पर आरोप क्यों लगा रहे हैं?

## क्या जी-20 सम्मेलन के दौरान प्र.मंत्री मोदी द्वारा खालिस्तान के मुद्दे पर ट्रूडो को खरी-खोटी सुनाना इसकी वजह है

- ज्ञातव्य है कि, कैनडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों की पार्टी के सहयोग से सरकार चला रहे हैं और खालिस्तान आतंकवादियों के प्रति आरंभ से ही उनका नर्म रूख रहा है।
- भारत ने कैनडा सरकार द्वारा खालिस्तानी आतंकवादियों को समर्थन देने पर कई मंचों पर अपनी नाराजगी जताई है।
- लेकिन ट्रूडो ने कैनेडा की संसद में सार्वजनिक रूप से भारत पर आतंकवादी निज्झर की हत्या का आरोप लगाकर दोनों देशों के संबंधों में कटुता और बढ़ा दी है।

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। कैनडा के साथ भारत के पहले से खराब चल रहे संबंधों में और गिरावट आई, जब विदेश मंत्रालय ने आज कैनडा के उच्चायुक्त को तलब किया और कैनडा द्वारा एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने के लिए कहने के बाद जवाबी कार्रवाई में कैनडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने के लिए कहा।

इससे पहले कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि, इस वर्ष जून में सरी में मारे गए खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्झर की हत्या में भारत सरकार का हाथ हो सकता है।

कैनडा के राजनयिक की पहचान ओलीवियर सिल्वेस्टर के रूप में हुई है, जो कैनडा इंटैलिजेंस के स्टेशन प्रमुख बताए जाते हैं। उन्हें पांच दिन में भारत छोड़ने को कहा गया है।

ट्रूडो ने ये आरोप संसद को संबोधित करते हुए लगाए, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने इसका जोरदार खंडन किया और खुलासा किया कि कैनडा के प्रधानमंत्री ने ऐसे ही आरोप 10 सितंबर को जी-20 सम्मेलन के दौरान मोदी के साथ अलग से हुई संक्षिप्त मुलाकात में भी लगाए थे। इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया गया था।

विदेश मंत्रालय ने एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित करते समय ट्रूडो और उनकी विदेश मंत्री मैलनी जोली द्वारा की गई टिप्पणी को "बेतुका और प्रेरित" बताया है।

सूत्रों ने कहा कि, दरअसल कैनडा में भारतीय राजनयिकों को मौत की

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# लेकसिटी में अनवरत बारिश का दौर जारी, उदयसागर के दोनों गेट खोले

## अशोक नगर मुख्य मार्ग पर नाला धंसा, दो कारें गिरी

**उदयपुर,** (कासं)। झीलों के शहर में मंगलवार को तीसरे दिन भी दिनभर बारिश होती रही। रूक-रूक जारी बारिश के दौर से शहर के समीप स्थित उदयसागर झील एक बार फिर छलक गई। मंगलवार सुबह उदयसागर के दोनों गेट एक फीट 6 इंच खोल दिए गए। वहीं वल्लभनगर बांध (सरजना) भी छलक गया। इधर, सीसारमा नदी तीन फीट के वेग से बह रही है जिससे स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी एक इंच की चादर चल रही है। इधर, बारिश के बीच शहर के अशोक नगर क्षेत्र में पुराना नाला धंसने से दो कारे उसमें गिर गई।

अशोक नगर क्षेत्र में पुराना नाला धंसने से दो कारें उसमें गिर गई।

- उदयपुर शहर में एक इंच बारिश, सरजना बांध भी ओवरफ्लो हुआ
- सीसारमा नदी तीन फीट के वेग से बह रही है जिससे स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी एक इंच की चादर चलती रही

लेकसिटी में मानसून के छठे चक्र में अनवरत बारिश का दौर जारी है। रविवार से हो रही बारिश का दौर तीसरे दिन भी जारी रहा। समाचार लिखे जाने तक भी उदयपुर में बारिश का क्रम बरकरार है। मंगलवार सुबह 8 बजे सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर जिले में सर्वत्र अच्छी बारिश के समाचार मिले है। बीते 24 घंटों में उदयपुर शहर में 1 इंच (25 मिमी), मदार 24 मिमी, नाई 25, उदयसागर 20, वल्लभनगर 15, बागोलिया 30 व देवास स्टेज प्रथम पर 32 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इधर, बारिश के चलते शहर के अशोक नगर से शक्तिनगर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जैन मंदिर के समीप वर्षों पुराने नाले धंस गया। नाला धंसने से वहां खड़ी दो कारें उसमें गिर गई जिसे जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। जर्जर इस नाले की मरम्मत कई वर्षों से नहीं होने से आज इसके धंसने से प्रशासन की पोल भी खुल गए। पर्युषण पर्व होने से पास स्थित जैन मंदिर में लोगों का आना-जाना बना हुआ है। गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। नगर निगम के अधिकारियों ने जल्द ही इसकी मरम्मत का आश्वासन भी दिया है।

# भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर जोधपुर पहुंचे

## फलोदी व शेरगढ़ में परिवर्तन यात्राओं में होंगे शामिल

एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने ओम माथुर का स्वागत किया।

**जोधपुर,** (कासं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि भाजपा की ओर से जो परिवर्तन संकल्प यात्राएं प्रदेश में निकाली जा रही हैं, उसको जनता का बेहतर सहयोग मिल रहा है। इन यात्राओं को मिल रहे समर्थन से ही लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बहुमत के साथ बनने जा रही है।

माथुर जोधपुर के फलोदी और शेरगढ़ में परिवर्तन यात्राओं में शामिल होने के लिए मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अपनी यात्राएं निकाल रहे हैं। लोकतंत्र में सभी अपने स्तर पर जनता को अपनी बात कहने में लगे हैं, वह अपनी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, मैं अपनी पार्टी के लिए। कांग्रेस चाहे कितना भी कहे कि एंटी इनकमबेंसी नहीं है, चुनाव में इसका जवाब जनता देगी।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि यह कई सालों से देश की मांग थी जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। जल्द ही इसे लोकसभा में रखा जाएगा। दिल्ली और आसपास की कई महिलाएं इस बात के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद करने के लिए पहुंच रही हैं। यह देश में आमूलचूल परिवर्तन हैउन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद-क्षेत्रवाद के आधार पर होती थी, लेकिन पीएम मोदी ने विकास के मुद्दों पर राजनीति की।

2014 के बाद पूरे देश का समान रूप से विकास किया है। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ के प्रभारी के रूप में गया तो देखा कि बहुत पिछड़ा हुआ प्रदेश है। लेकिन अब आजादी का अमृत महोत्सव जो मना रहे हैं। इसमें भारत विश्व गुरु बनने की तरफ बढ़ रहा है। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भाजपा के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा, पाली के पूर्व सांसद पुष्प जैन, नरेंद्र कच्छवाह, प्रसन्न मेहता, विजय राजोरिया सहित अन्य ने किया। यहां जोधपुर में भाजपा कार्यकर्ता के यहां अल्पाहार लेने के बाद में परिवर्तन यात्रा में हिस्सा लेने के लिए फलोदी रवाना हो गए।

# आतंकी टुंडा की तबीयत बिगड़ी

## सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस जेएलएन अस्पताल लाई

आतंकी टुंडा को इलाज के लिए अस्पताल लेकर जाती पुलिस।

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर की सेंट्रल जेल में बंद 1993 के सीरियल बम ब्लास्ट के मास्टरमाइंड आतंकी अब्दुलकरीम टुंडा की अचानक तबीयत बिगड़ गई, मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस सेंट्रल जेल से जेएलएन अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग में लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दे छुट्टी दे दी, जिसके बाद पुलिस वापस जेल ले गई। अस्पताल में इलाज करवाने के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली और सिविल लाइन थाना पुलिस का जाब्ता भी तैनात रहा।

जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने कहा कि लंबे समय से टुंडा बीमार चल रहा है। एक महीने से वह जेल के अस्पताल में एडमिट भी है। टुंडा को हर्निया और किडनी फंक्शन में दिक्कत आ रही है। मंगलवार को टुंडा को तबीयत खराब होने पर इलाज के लिए कड़ी सुरक्षा में जेएलएन हॉस्पिटल भेजा गया था। लश्कर जैसे कुख्यात आतंकी गिरोह से जुड़े अब्दुल करीम का नाम टुंडा एक हादसे के बाद पड़ा। वर्ष 1985 में टुंडा टोंक जिले की एक मस्जिद में जेहाद की मीटिंग ले रहा था। इस दौरान वह पाइप की बंदूक चलाकर दिखा रहा था। तभी यह बंदूक फट गई, जिसमें उसका हाथ उड़ गया। इसके कारण उसका नाम टुंडा पड़ गया।

## कॉपी राइट एक्ट में केस दर्ज

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के जलजोग चौराहा स्थित एक जूता शोरूम पर पुलिस ने रेड देकर नामी कंपनी के नाम से फर्जी लेबल लगाकर जूते बेचने की शिकायत पर कार्यवाही की। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ धोखाधड़ी एवं कॉपी राइट एक्ट का प्रकरण दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

प्रशिक्षु आरपीएस शिवम जोशी ने बताया कि एक कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से शास्त्रीनगर थाने में शिकायत दी गई थी। इसमें बताया कि वह एडिडास कंपनी से आया है और इस कंपनी के नाम से फर्जी जूते जलजोग स्थित एक शोरूम शूई शॉप पर बेचे जा रहे है। इस पर आरपीएस शिवम जोशी जोशी ने पुलिस जाब्ते के साथ दुकान पर रेड दी। दुकान पर संचालक विठल अरोड़ा मिला। जिससे पूछताछ के साथ माल चेक किया गया तो वह नकली प्रतीत हुआ।

# केसरीसिंहपुर डेंगू का हॉटस्पॉट बना, 14 नए रोगी मिले

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। बरसात के इस सीजन में केसरीसिंहपुर कस्बा डेंगू का हॉट स्पॉट बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पताल में 51 सैंपलों का एलाइजा टेस्ट किया। इसमें 15 सैंपलों की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव मिली। इसमें 14 रोगी केसरीसिंहपुर और 1 श्रीगंगानगर शहर की केदार कॉलोनी का है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार केसरीसिंहपुर डेंगू का हॉट स्पॉट बना हुआ है। इस सीजन में 10 अगस्त से अब तक 108 डेंगू रोगी मिले हैं। श्रीगंगानगर शहर में अब तक 34 लोग डेंगू पॉजिटिव हो चुके हैं। जिले में अब तक बुखार के 900 रोगियों की एलाइजा टेस्टिंग हो चुकी है। इसमें 181 की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। अस्पतालों में बुखार की ओपीडी बढ़ी है।

- इस सीजन में 10 अगस्त से अब तक 108 डेंगू रोगी मिले

स्वास्थ्य विभाग ने पिछले 15 दिनों में जिले में 146976 घरों और 456976 पानी के स्रोतों की जांच की तो इसमें 3375 जगह मच्छर का लार्वा मिला। पिछले दो सप्ताह में स्वास्थ्य विभाग को घर-घर सर्वे व एंटी लार्वल गतिविधियों के दौरान बुखार के 1882 रोगी मिले हैं। एक दिन में औसतन 125 से ज्यादा बुखार के रोगी मिल रहे हैं। जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. केएस कामरा के अनुसार इन दिनों ओपीडी में बुखार के रोगी ज्यादा आ रहे हैं। ज्यादातर रोगियों में प्लेटलेट्स कम होना, सिर दर्द, बदन दर्द और लीवर में सूजन की तकलीफ होती है।

# पुलिस कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

**बीकानेर,** (कासं)। बज्जू थाने के कांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एक परिवाद को निपटाने के नाम पर कांस्टेबल बनवारी लाल ने रिश्वत की डिमांड की थी, जिसकी शिकायत परिवादी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को कर दी। मंगलवार को एसीबी ने उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

बीकानेर के एडिशनल एसपी महावीर शर्मा ने बताया कि पुलिस स्टेशन बज्जू में चल रहे एक प्रकरण में कांस्टेबल बनवारी लाल ने पंद्रह हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत मिलने पर पुष्टि की गई और मंगलवार को ट्रेप प्लान किया गया। परिवादी रिश्वत की राशि देने पहुंचा तो एसीबी की टीम आसपास ही थी। जैसे ही पंद्रह हजार रुपए हाथ में लिए, वैसे ही एसीबी ने बनवारी लाल को दबोच लिया। उसके कब्जे से रिश्वत के पंद्रह हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए। बनवारी लाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अब एसीबी बनवारी के घर की छानबीन करेगी। इसके साथ ही उसके बैंक खातों की छानबीन भी हो सकती है। एसीबी ने परिवादी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। पिछले लंबे समय से एसीबी परिवादी का नाम सार्वजनिक नहीं कर रहा है।

# भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा का समापन कल जोधपुर में

## गांधी मैदान में होगी विशाल जनसभा, तैयारियां जोरों पर

**जोधपुर,** (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन संकल्प यात्रा अब परवान पर है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के संकल्प को सिद्ध करने के उद्देश्य से निकाली जा रही यह परिर्वतन यात्रा भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं जोश का संचार कर रही है। रामदेवरा से आरंभ हुई तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा का 21 सितम्बर को जोधपुर में भव्य समापन रहेगा।

इस आमसभा को भाजपा के तेज तर्रार नेता प्रखर वक्ता एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा मुख्य अतिथि होंगे। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मुख्य वक्ता होंगे।

- तेज तर्रार नेता असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्वा सरमा एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल होंगे

यात्रा के संभाग प्रभारी राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा सहित अनेक भाजपा नेता इस दौरान मौजूद रहेंगे।

जोधपुर के सरदारपुरा स्थित गांधी मैदान में यात्रा का भव्य समापन होगा। इसको भव्यतम रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी जोधपुर षहर द्वारा तैयारियां की जा रही है। भाजपा संभाग मीडिया प्रमुख अचलसिंह मेडतिया ने बताया कि जोधपुर संभाग में पवित्र स्थल रामदेवरा से 4 सितम्बर को तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा आरंभ हुई थी, यह परिवर्तन संकल्प यात्रा अब जोधपुर जिले की विधानसभा क्षेत्रों में चल रही है। यह यात्रा हर विधानसभा क्षेत्र से गुजर रही है।

इसके मद्देनजर जोधपुर में भी कार्यकर्ताओं में इस यात्रा को लेकर भारी जोश व उत्साह है। भाजपा की परिवर्तन यात्रा जोधपुर शहर में 21 सितम्बर को बनाड रोड से प्रवेश करेगी।

इसके बाद सारण नगर कालवी प्याउ के समीप जोधपुर षहर के भाजपा कार्यकर्ता इस यात्रा रथ की अगवानी कर भव्य स्वागत करेंगे। इसके बाद यह परिवर्तन यात्रा रसाला रोड, हाइकोर्ट रोड, सोजती गेट नई सडक, जालोरी गेट एवं शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सरदारपुरा स्थित गांधी मैदान पहुंचेगी। यहां गांधी मैदान में भाजपा के जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा का स्वागत किया जाएगा। शाम 5.30 बजे यात्रा का भव्य समापन होगा।

## नरेश मीणा की रिहाई की मांग

**हिण्डौन सिटी,** (निसं)। दिनेश मीणा झारेड़ा की हत्या के विरोध में बांरा में आंदोलन कर रहे नरेश मीणा को गिरफ्तार करने व उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के विरोध में मंगलवार को कई छात्र नेता शहर की गौशाला के समीप स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। अंकुर मीणा छात्रसंघ अध्यक्ष ने बताया कि दिनेश मीणा झारेड़ा की हुई हत्या के विरोध में बारां में छात्र नेता नरेश मीणा की ओर से आंदोलन चलाया जा रहा है। आरोप है कि किसानों के खिलाफ विद्युत कर्मियों की मनमर्जी और राजस्थान सरकार के मंत्री प्रमोद जैन के खिलाफ चलाए जा रहे इस आंदोलन को लेकर पुलिस ने सरकार के दबाव में आकर नरेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कई मुकदमे भी दर्ज कर लिए हैं। छात्र नेता अंकुर ने बताया कि नरेश मीणा और उसके साथियों पर वेवजह किये गए केस वापस हो और नरेश मीणा को जल्द से जल्द रिहा किया जाए।

# सरकारी स्कूल के टॉयलेट में लगाया सीसी-टीवी कैमरा

## राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल फोर्ट का मामला

**हनुमानगढ़,** (निसं)। सरकारी स्कूल के बॉइज टॉयलेट में सीसीटीवी कैमरा लगा होने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत पर बाल कल्याण समिति सदस्य स्कूल पहुंचे। मामला टाउन के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल फोर्ट का है।

बाल कल्याण समिति सदस्य विजय चौहान ने बताया कि किसी बच्चे के परिजन का फोन आया था कि टाउन स्थित फोर्ट स्कूल के टॉयलेट में कैमरा लगा हुआ है। सूचना पर टीम ने स्कूल पहुंचकर देखा तो टॉयलेट के अंदर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। जिसकी मॉनिटरिंग प्रिंसिपल कार्यालय में होती थी। बाल कल्याण समिति ने वहां बच्चों से भी बात की तो बच्चों ने भी बताया कि ये सीसीटीवी कैमरा काफी दिनों से यहां लगा हुआ है। जिसकी वजह से उन्हें शर्मसार होना पड़ता है। बच्चों ने बाल कल्याण समिति को बताया कि वो डर की वजह से प्रिंसिपल को कुछ भी नहीं कह पाए।

- शिकायत पर बाल कल्याण समिति सदस्य स्कूल पहुंचे

समिति सदस्य ने कहा कि टॉयलेट में कैमरा कोई नहीं लगा सकता है। बच्चों ने कैमरे हटाने की बात कही है। समिति सदस्य ने कहा कि स्कूल की प्रिंसिपल स्कूल में नहीं मिली। वाइस प्रिंसिपल से बात की है कि इसका एंगल में बदलाव करें या इस कैमरे को हटाया जाए। समिति सदस्य ने कहा कि बच्चों के परिजनों ने उनसे शिकायत की थी कि बच्चे शर्म के कारण स्कूल में टॉयलेट भी नहीं कर पा रहे हैं, वो घर आकर ही टॉयलेट करते हैं।

वाइस प्रिंसिपल अंजना गुप्ता ने बताया कि हम मानते है शौचालय में कैमरे लगाना गलत है, लेकिन कुछ बच्चे टाइलों को नुकसान पहुंचाते हैं। दीवारों पर लिखते हैं और कुछ बच्चे नशा करते हैं। इनसे बचाव के लिए कोई अन्य उपाय नहीं था। वहीं वाइस प्रिंसिपल ने कहा कि अगर ऐसा लग रहा है कि इसमें निजता का हनन हो रहा है तो इसका एंगल बदलवा दिया जाएगा।

# नागालैंड से गांजा लाते दो तस्कर गिरफ्तार

## साढ़े 31 किलो गांजा बरामद, सरगना भी गिरफ्तार

**जयपुर/झुंझुनू,** (निसं)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम की सूचना पर झुंझुनू जिले की पचेरी कलां थाना पुलिस की टीम ने नाकाबंदी में एक प्राइवेट स्लीपर कोच बस में सवार दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर इनके पास से 31 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। दोनों तस्कर नागालैंड के दीमापुर से गांजा झुंझुनू ला रहे थे। इनकी सूचना पर इनके सरगना को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हैड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व कमल सिंह व झुंझुनूं के शशिकांत को आसूचना प्राप्त हुई की नागालैंड से गांजा तस्करी कर कुछ युवक प्रदेश में सप्लाई करते हैं। एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना पुख्ता होने पर एसएचओ पचेरी कला को सूचित कर सिंघाना-नारनौल रोड पर नाकाबंदी कराई गई। सोमवार -मंगलवार देर रात करीब एक बजे हरियाणा की तरफ से आ रही पंजाब नंबर की संदिग्ध प्राइवेट स्लीपर बस को रुकवाया गया।

- सीआईडी ने झुंझुनूं में नशे की एक और बड़ी खेप पकड़ाई
- पचेरी कलां थाना पुलिस की कार्रवाई

बस में बैठे दो युवक पुलिस को देकर घबरा गए। दोनों युवकों ने अपने पैरों के बीच एक-एक पिट्ठू बैग दबा रखा था। एडीजी ने बताया कि बस से उतार कर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम अनिल सिंह निवासी वार्ड नंबर 20 थाना सूरजगढ़ और दूसरे ने दीपक मेघवाल निवासी लोटिया थाना सूरजगढ़ जिला झुंझुनू बताया। दोनों के बैग की तलाशी में 25 प्लास्टिक के पैकेट से कुल 31 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

एडीजी एमएन ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त कर थाना पुलिस ने दोनों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। इन्होंने पूछताछ में नागालैंड के दीमापुर से गांजा नंदकिशोर नाम के व्यक्ति से लोटिया निवासी कपिल मेघवाल के लिये लाना बताया। इस सूचना पर पुलिस ने मुख्य तस्कर कपिल मेघवाल को भी मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि पुलिस को गुमराह करने के लिए तस्कर वापस आने के लिये ट्रेन का रिजर्वेशन करवाते हैं, जबकि आते बस या अन्य साधनों से हैं। हर बार अपना आने-जाने का रास्ता बदलते रहते हैं।

## तैनात कांस्टेबल को ट्रक ने कुचला

**उदयपुर,** (कासं)। जिले के टीडी थाना क्षेत्र में रोड सेफ्टी के लिए ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी पुलिस थाने में तैनात सिंघटवाड़ा जावरमाइंस निवासी कांस्टेबल राजकुमार (29) पुत्र दाड़म को मंगलवार सवेरे ड्यूटी के दौरान ट्रक ने कूचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई हिम्मतसिंह ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर टीडी थानाधिकारी फैलीराम, पुलिस उप अधीक्षक रजत विश्नोई मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। राजकुमार एक वर्ष से टीडी थाने पर तैनात था जो मंगलवार सवेरे जिला कलक्टर के निर्देश पर रोड सेफ्टी के लिए ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान अहमदाबाद की तरफ से आ रहे ट्रक को रूकने इशारा करने पर चालक ने तेज गति से ले जाते हुए ट्रक राजकुमार पर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

# आधा दर्जन से अधिक लुटेरों ने मंदिर में सो रहे तीन जनों से की मारपीट

## एक यात्री सहित तीन घायल, एक कोटा रैफर किया

**बूंदी,** (निसं)। जिले के हिंडोली थाना क्षेत्र में सथूर गांव में स्थित ऐतिहासिक रक्तदंतिका माता मंदिर में आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लुटेरों ने मंदिर में सो रहे तीन जनों को बंधक बनाकर मारपीट करने के बाद मंदिर में से सोने चांदी के छत्र व मंगलसूत्र आदि लूट कर ले गए। इस वारदात में एक यात्री और दो सेवादार घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। पुलिस ने तत्काल जिले भर में नाकाबंदी करवाकर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

सथूर माता मंदिर पुजारी अजय ब्रह्म भाट ने बताया कि रात्रि को मंदिर के अंदर 12 बजे के बाद सेवादार राम अवतार उर्फ पप्पू, नवरत्न और यात्री राजू प्रजापत निवासी सथूर चद्दर ओढ़ कर सो रहे थे। इसी बीच छह से सात लुटेरे मंदिर में घुसे और तीनों व्यक्तियों को सोते हुए ही चद्दर में दबा दिया। जैसे ही इन्होंने बचाव का प्रयास किया, तो लुटेरों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

- रक्तदंतिका मंदिर से सोने चांदी के छत्र व मंगलसूत्र लूट ले गए बदमाश

जिससे यात्री राजू प्रजापत के सिर व अन्य स्थान पर गंभीर चोट आई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को बूंदी भेजा गया, जहां से एक को कोटा रैफर कर दिया गया। दो को बूंदी भर्ती किया गया है। पुजारी अजय ब्रह्म भाट के अनुसार लुटेरे यहां से सात तोला सोना, 12 किलो चांदी सहित चांदी का छात्र, सोने का टीका, नथ, मंगलसूत्र, मुकुट व नगदी लूट कर ले गए हैं। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 13 लाख हैं।

हिंडोली थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि रात्री एक से डेढ़ बजे के बीच 6-7 अज्ञात लुटेरों ने मंदिर में घुसकर वहां सो रहे तीन लोगों को बंधक बनाकर मारपीट कर मंदिर के 5 से 6 चांदी और सोने के छत्र व मंगलसूत्र आदि लूट कर ले गए। घटना की सूचना लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर तत्काल जिले भर में नाकाबंदी भी करवाई गई। रात भर से पुलिस लुटेरों की तलाश में हुई जुटी है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। फिलहाल, लुटेरे पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। दोपहर में पुलिस अधीक्षक जय यादव ने घटना स्थल पर जाकर जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने वारदात के खुलासे के लिए तुरंत दबलाना, बसौली, हिंडोली पुलिस की टीम का गठन किया। हालांकि पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं, जिससे वारदात जल्दी ही खुलने की संभावना जताई है। जानकारी के अनुसार आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी की जा रही हैं।

# नत्थूसर गेट स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बैड वार्ड का शिलान्यास

**बीकानेर,** (कासं)। शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने मंगलवार को नत्थूसर गेट स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बैड वार्ड का शिलान्यास किया। इस कार्य को 35 लाख रूपए राशि की लागत से करवाया जायेगा।

इस अवसर शिक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी समाज के सामाजिक ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की मजबूती पहली आवश्यकता है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की संवेदनशील पहल पर मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना चलाई जा रही है। अब इसके तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रूपए तक तक का स्वास्थ्य बीमा तथा 10 लाख रूपए तक का दुर्घटना बीमा उपलब्ध करवाया गया है। यह योजना पूरे देश में नजीर बनी है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की बेहतरी के लिए अनेक कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि गंगाशहर और मुक्ता प्रसाद कॉलोनी में 6-6 करोड़ रूपए की लागत से शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जा रहे हैं। पीबीएम, जिला अस्पताल और गंगाशहर के सैटेलाइट अस्पताल की सुविधाओं में इजाफा किया गया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्र की सभी समस्याओं के समाधान के लिए वे संकल्पबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा के तहत रोजगार गारंटी तथा इंदिरा गांधी शहरी योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है।

शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने नत्थूसर गेट स्थित शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बैड वार्ड का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर जुगल किशोर ओझा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अबरार पंवार, चिकित्सा विभाग के उपनिदेशक डॉ. राहुल हर्ष, चिकित्सालय प्रभारी डॉ अब्दुल रसीद, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अधिशाषी अभियंता जे. पी. अरोड़ा, सीओ सिटी हिमांशु शर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुनील बोडा, डॉ विजय शंकर बोहरा, जिला आईईसी समन्वयक मालकोश आचार्य, सामाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र छंगाणी, पूनमचंद व्यास, गुरु वशिष्ठ अवॉर्डी ललित कुमार छंगाणी, किशन कुमार, डीपीसी ईशान पुष्करणा, मालकोश आचार्य, आनंद व्यास, गोपाल ओझा, मिहिर भादाणी, विकास मोहता एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के समस्त स्टॉफ उपस्थित था।

**नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट मिला :** राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत पहली बार प्रदेश के तीन उप स्वास्थ्य केन्द्रों को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट के लिए चुना गया है। दुगनी खुशी की बात यह है कि यह तीनों ही स्वास्थ्य कल्याण केन्द्र ग्रांधी उत्तमदेसर व डूडीवाली बीकानेर जिले के हैं। जिन्होंने एक साथ एनक्वास सर्टिफिकेट हासिल किए है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह, निदेशक एनएचएम जितेन्द्र कुमार सोनी और जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन व सेवाओं के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करने वाले इन चिकित्सा संस्थानों के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार पवार ने

- **कल्ला ने कहा कि गंगाशहर और मुक्ता प्रसाद कॉलोनी में 6-6 करोड़ रूपए की लागत से शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए जा रहे हैं**

बताया कि बीकानेर जिले के उत्तमदेसर ग्रांधीए डूडीवाली हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर, राजसमंद जिले की पीएचसी ताल, बूंदी जिले की पीएचसी बांसी और जालौर जिले की अरबन पीएचसी लाल पोल स्वास्थ्य केन्द्रों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। इसके लिए अस्पतालों को 3 साल तक 3.3 लाख रूपए इंसेंटिव प्राप्त होगा। जिसका उपयोग अस्पताल के उन्नयन में किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेन्द्र तनेजा ने बताया कि राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम द्वारा मूल्यांकन में ग्रांधी ने 95 प्रतिशत अंक, उत्तमदेसर ने 89 प्रतिशत अंक व डूडीवाली ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह कीर्तिमान बनाया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए ब्लॉक सीएमओ कोलायत डॉ सुनील जैन व ब्लॉक सीएमओ लूणकरनसर डॉ विभय तंवर एचडब्लयूसी ग्रांधी प्रभारी मदन पालीवाल, उत्तमदेसर प्रभारी राजेश कुमारी को बधाई दी।

## लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

**अनूपगढ़,**(कासं)। ओवरब्रिज पर चने बेचने वाले से लूट के दो आरोपी गिरफ्तार किए।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि दोनों टीमों के समन्वय से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले ओमजीत कुमार उर्फ टल्ली पुत्र जोरावर निवासी वार्ड नंबर 16 पुराना घडसाना और राजकुमार उर्फ राजू भानपुरिया पुत्र आसाराम निवासी तीन एसटीआर घड़साना को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपियों से पुलिस के द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है। उन्हें भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

एसएचओ ने बताया कि 10 सितम्बर को रामकुमार पुत्र छिकाराम निवासी 2 एसएसएम तहसील छतरगढ़ ने मामला दर्ज करवाया था कि वह मोटरसाइकिल पर चने और फल बेचने का काम करता है। 10 सितम्बर को शाम जब वह अनूपगढ़ के शहीद उधम सिंह चौक पर बने ओवरब्रिज पर पहुंचा तो उस समय मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति सवार होकर आये और उसके साथ मारपीट की मारपीट करने के बाद दोनों व्यक्ति उसका मोबाइल 20 हजार रूपए, जरूरी कागजात और एक चांदी का कड़ा छीनकर मौके से फरार हो गए थे।

एसएचओ जांगिड़ ने बताया कि पुलिस के मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन कर घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र और अनूपगढ़ से घड़साना के बीच में सीसीटीवी फुटेज चैक किए गए और आसपास के क्षेत्र में जांच पड़ताल की गई। संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित करने के बाद उनकी गतिविधियों पर लगातार पुलिस के द्वारा निगरानी रखी गई।

## सार-समाचार

### साइबर क्राइम पर लानकारी दी

डूंगर कॉलेज में साइबर सुरक्षा पर आयोजित कार्यशाला को आई.जी. ओमप्रकाश ने संबोधित किया।

**बीकानेर,** (कासं)। राजकीय डूंगर महाविद्यालय में मंगलवार को साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन डूंगर कॉलेज तथा नाइलिट के बीकानेर केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ आमजन ने भी भाग लिया। एन सी सी, एन एस एस, रोवर्स, रेंजर्स से जुड़े कैडेट्स एवं स्वयंसेवकों ने उपस्थिति दी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश , अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर इंद्र सिंह राजपुरोहित द्वारा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में नाइलिट बीकानेर केन्द्र के संयुक्त निदेशक कपिल नयाल ने साइबर अपराधियों से बचने एवं साइबर क्राइम फ्रॉड हो जाने पर आगे की कार्यवाही के संबंध जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में आई.जी बीकानेर रेंज ने साइबर क्राइम के बारे में अनुभव साझा किए। जामताड़ा और मेवात के उदाहरणों से उन्होंने साइबर फ्रॉड से बचने के गुर सिखाए। कार्यक्रम में उपाचार्य प्रोफेसर पुष्पेन्द्र सिंह, नाइलिट प्रभारी प्रोफेसर प्रताप सिंह, श्यामसुंदर, प्रोफेसर विक्रमजीत सिंह, प्रो.सर नरेन्द्र नाथ इत्यादि उपस्थित थे।

### मोदी की सभा के लिए तैयारी बैठक

**कोलायत,** (कासं)। जयपुर में आगामी 25 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की होने वाली रैली की तैयारियों को लेकर कोलायत में भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। भाजपा के कोलायत विधानसभा प्रभारी जुगल किशोर व्यास की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकाधिक संख्या में जयपुर जाने के लिए रूपरेखा बनाई गई। व्यास ने कहा कि हर मंडल से कार्यकर्ता जयपुर जायेंगे। भाजपा के परिवर्तन यात्रा का समापन भी इसी दिन होगा। इस अवसर पर भाजपा नेता श्यामसुंदर पंचारिया, भूपसिंह भाटी, श्याम सिंह हाड़ला, हदां मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह भाटी, सवाई सिंह राजपुरोहित, धर्मवीर गिरी, विस्तारक सुरेश आदि मौजूद थे। नापासर संवाददाता के अनुसार कस्बे में देशनोक रोड पर भाजपा कार्यालय में नापासर भाजपा मंडल की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवंत दैया ने कहा कि 25 सितम्बर को जयपुर में होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा मे पार्टी कार्यकर्ताओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में देहात जिला मंत्री रामनिवास कस्वां, खुशबू रतावा, मंडल महामंत्री डूंगरदान बीठू, महामंत्री गणेश नैण, किसान मोर्चा अध्यक्ष शिव सिंह राजपूत, एससी मोर्चा अध्यक्ष रामचंद गोयल, पूर्व देहात कार्यकारिणी सदस्य भंवर ढाका, पूर्व महामंत्री गोपी सोनी आदि मौजूद थे।

### सी.सी.सड़क का शिलान्यास

गंगानगर विधायक राजकुमार गौड़ ने राम बारात घर के सामने सी. सी. सड़क का शिलान्यास किया।

**श्रीगंगानगर,** (कासं)। गंगानगर विधायक राजकुमार गौड़ ने वार्ड नम्बर 12 में 30 लाख रूपये की लागत से राम बारात घर के सामने वाली सीसी सड़क का शिलान्यास व 42 लाख रुपये की लागत से मोती पैलस से मल्टी पर्पज स्कूल तक एवं संपत बस्ती में विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण का शुभारंभ किया। सड़कों का शुभारंभ करने पर क्षेत्रवासियों ने गौड़ का नागरिक अभिनंदन व सम्मान किया। गौड़ ने कहा कि आज वार्ड नम्बर 12 में 30 लाख रुपये की लागत से राम बारात घर के सामने वाली सीसी सड़क का शिलान्यास व 42 लाख रूपये की लागत से मोती पैलस से मल्टी पर्पज स्कूल तक एवं संपत बस्ती में विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि 72 लाख रुपये की लागत से सड़कें बनने से क्षेत्रवासियों को सुविधा होगी। उक्त सड़क बनने से हजारों लोगों को सुविधा मिलेगी। सड़क निमाण कार्य का शिलान्यास और लोकार्पण करने पर आमजन द्वारा विधायक गौड़ का फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पार्षद दलीप लावा, जेपी श्रीवास्तव, प्रेम नायक, मंगत गेरा, अशोक नागपाल, भंवर मेघवंशी आदि मौजूद थे।

### छात्रवृति के लिए आवेदन शुरू

**बीकानेर,** (कासं)। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में राजस्थान के मूल निवासियों के लिए अनुसूचित जाति, अनु.जनजाति विशेष समूह योजना पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय एवं निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए विद्यार्थियों के द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर है।

# के.एम.एस. कार्ड की खराबी, वाहन मालिकों की बनी परेशानी

**बीकानेर,**(कासं)। वाहन स्वामियों एवम लाइसेंस धारकों के लिए आरसी एवं ड्राइविंग लाइसेंस युक्त स्मार्ट कार्ड के.एम.एस नहीं होने से वाहन स्वामियों और ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के लिए तैयार शुदा स्मार्ट कार्ड लेना टेढी खीर बन गया हैं।

आरटीओ कार्यालय में यह समस्या पिछले एक माह से चल रही हैं। हजारों स्मार्ड कार्ड रूपी आरसी और सैंकड़ों ड्राइविंग लाइसेंस केएमएस(की मैनेजमेंट सर्विस एस से जुड़ाव) कार्ड में आ रही तकनीकी खराबी होने से वाहन संबंधी सभी काम अटके पड़े हैं। जानकारी के अनुसार दस्तावेज के.एम.एस करने का काम राज काज पोर्टल से जुड़ा हुआ हैं। जो चलते चलते तकनीकी फाल्ट आ जाने से रूक जाता हैं और दस्तावेज रूपी स्मार्ट कार्ड केएमएस नहीं होने से वाहन और ड्राइविंग लाइसेंस का डाटा विवरण

- **स्मार्ट कार्ड के.एम.एस. नहीं होने से वाहन और ड्राइविंग लाइसेंस का डाटा विवरण ऑनलाइन नहीं दिखने पर चालान काटे जा रहे हैं**

ऑनलाइन नहीं दिखता। जिससे एक तरफ तो सड़क एवं मुख्य मार्गों पर यातायात पुलिस व आरटीओ अधिकारी द्वारा वाहन के कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन नहीं होने पर चालान पर चालान काटे जा रहे हैं। दूसरी तरफ वाहन चालकों तथा ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को स्मार्ट कार्ड नहीं मिलने से आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक नुकसान उठाना पड़ रहा हैं। केएमएस कार्ड की खामी के चलते आरसी रिन्युअल, नया रजिस्ट्रेशन, डुप्लीकेट आर.सी, लोन कैंसिल, स्वामित्व हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण काम रूके हुए हैं।

बीकानेर सिटीजन एसोशिएसन के एडवोकेट हनुमान शर्मा ने प्रमुख शासन सचिव को इस समस्या से अवगत करवाया जिस पर संज्ञान लेते हुए परिवहन शासन सचिव ने बीकानेर के अधिकारियों को इस समस्या का जल्द समाधान कर प्रगति रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। एडवोकेट शर्मा ने यह आग्रह भी किया कि विभाग के पास केवल एक मात्र केएमएस कार्ड हैं जो बार- बार मियाद खत्म होने से सभी वाहन संबंधी और ड्राइविंग लाइसेंस के काम रूक जाते है। जबकि एक कार्ड होने से समय पर डाटा सेव हो उससे पहले केएमएस कार्ड खराब हो जाता है।

## डंपर व कार की भिड़ंत में 8 लोग घायल

**नोखा,** (कासं)। काकड़ा गांव के पास देर रात सड़क हादसा हो गया। डंपर व कार एर्टिगा कार में भीषण टक्कर हो गई। घटना में गाड़ी में सवार 8 लोग घायल हो गए।

घायलों को नोखा की जिला अस्पताल लाया गया। इस दौरान हादसे में 4 घायलों को बीकानेर पीबीएम अस्पताल रैफर किया व अन्य घायल युवकों का प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी गई। सूचना मिलने पर नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई भी नोखा की जिला अस्पताल पहुंचे।

बीदासर के मौलासर गांव निवासी एर्टिगा में सवार 8 व्यक्ति पैदल यात्रियों के संघ में भोजन सेवा करके अपने गांव लौट रहे थे। नोखा उपखण्ड के काकड़ा गांव के पास सड़क हादसा हो गया। हादसे में मोलासर निवासी रामधन गोदारा, कालूराम जाट, रामसिंह राजपूत, झंवरीलाल जाट के गंभीर चोट के कारण बीकानेर रैफर किया गया।

# चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

**बीकानेर,** (कासं)। लालगढ़ रेलवे स्टेशन के पास बन रही एक बिल्डिंग से लोहे का सामान चोरी करने के मामले में कबाड़ी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने एक युवक को भी पकड़ा था। सामान खरीदने वाले कबाड़ी को आज अदालत में पेश किया जायेगा।

मुक्ता प्रसाद नगर थाना एरिया में हुई चोरी के मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान हुई पूछताछ में पता चला कि उसने चोरी का सामान असरफ को बेच दिया था। असरफ सिटी लाइट स्टूडियो जोशीवाड़ा के पास रहता है। पुलिस ने असरफ से पूछताछ की तो चोरी का सामान खरीदना बताया गया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उससे लोहे की प्लेट्स बरामद की गई है। हालांकि निर्माणाधीन बिल्डिंग से लोहे की प्लेट्स के अलावा तिपाही, लोहे के पाइप, सरिया, बिजली

- **निर्माणाधीन बिल्डिंग से सामान चोरी कर बेच देते थे, पुलिस ने 2 को पकड़ा**

का मीटर, लोहे की जाली, नट-बोल्ट, बिजली के कॉपर वायर भी चोरी हुए थे। पुलिस इनकी बरामदगी करने में लगी है। ये पता लगाया जा रहा है कि अकेले असरफ ने ही सारा सामान खरीदा था या फिर कुछ और कबाड़ी भी चोरी का सामान खरीद रहे हैं।

दरअसल बीकानेर में कई कबाड़ी चोरी का सामान सस्ते दामों पर खरीदते हैं और बाद में इन्हें बेच देते हैं। ये चोरी का सामान जब लोगों के घरों में लग जाता है तो इसका पता ही नहीं चलता। पहले भी कई कबाड़ियों को चोरी का सामान खरीदने के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

# मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना

**बीकानेर,** (कासं)। गणेश चतुर्थी पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश आचार्य के निवास स्थान पर लाल शाडू मिट्टी से निर्मित मुंबई की पूर्णतया इको फ्रेंडली ट्री गणेश प्रतिमा की धूमधाम से स्थापना के साथ ही गणेशोत्सव का शुभारंभ हुआ।

वरिष्ठ भाजपा नेता आचार्य ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझते हुए गत वर्षों की तरह इस बार भी मुंबई से मंगवाई गई लाल मिट्टी से निर्मित पूर्णत: इको फ्रेंडली ट्री गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई है। भाजपा पूर्व जिला मंत्री और मीडिया प्रभारी मनीष आचार्य ने बताया कि अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर निवास स्थान पर प्रतिमा के साथ ही उपलब्ध करवाए

- **मुंबई से मंगवाई गई लाल मिट्टी से निर्मित इको फ्रेंडली ट्री गणेश प्रतिमा की स्थापना**

गए खाद और बीज युक्त पात्र में गणेश विसर्जन किया जायेगा। जिसके बाद पात्र में स्वत: पौधारोपण हो जायेगा। मंगलवार को ट्री गणेश प्रतिमा स्थापना के दौरान वरिष्ठ शिक्षक नेता रवि आचार्य, जयंत गवरा, मनीष वीणा, अदिति, दृष्टि, सोमांशु, आदित्य, ऋषभ, पूनम खटोड़, गंगाराम सोलंकी, मोर सिंह, कालू पंवार, लीलाधर पंवार, शायर सिंह, मुखिया डैना, सोमदत्त आचार्य, लोकेश शर्मा मौजूद थे।

## शराब की 7 दुकानों की नीलामी आज

**श्रीगंगानगर,** (कासं)। अनूपगढ़ जिले में अब तक एक बार भी नीलाम नहीं हुई चार शराब दुकानों के साथ आवंटित होकर छोड़ दी गई तीन दुकानों की नीलामी 20 सितम्बर को होगी।

इस बार विभाग 14 वीं बार इस वित्तीय वर्ष में इन दुकानों की ऑनलाइन नीलामी करवाने जा रहा है। विभाग की ओर से 7 अगस्त को 13वीं बार करवाई गई नीलामी में इनके लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। हालांकि अभी तक 20 सितम्बर को नीलाम की जाने वाली दुकानों के नाम और स्थान को विभाग की वेबसाइट पर अपडेट नहीं किया गया है। तीन दुकानें श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय की तथा एक दुकान अनूपगढ़ जिले की है।

# शादी से मना किया तो अयोध्या से युवती प्रेमी के घर पहुंची

**रायसिंहनगर,** (कासं)। रावला के गांव 13 डीओएल के बाद फेसबुक पर दोस्ती का एक रोचक किस्सा रायसिंहनगर में भी सामने आया है। फर्क इतना है कि 13 डीओएल में आने वाली युवती बांग्लादेश की थी मगर क्षेत्र के गांव 37 पीएस पहुंची युवती अयोध्या की है।

क्षेत्र के गांव 37 पीएस निवासी गेंदा सिंह पुत्र छजूराम कापडिया की करीब 4 साल पहले अयोध्या की 23 वर्षीय कोमल से फेसबुक पर दोस्ती हुई। दोस्ती के बाद कोमल ने शादी के लिए दबाव बनाया। शादी सिरे नहीं चढ़ती देख कोमल रविवार को अयोध्या से गेंदा सिंह के घर 37 पीएस आ धमकी। अचानक अपनी बहन के

- **देर शाम को दोनों पक्षों में स्टाम्प पेपर पर शर्तें लिखकर शादी करने पर सहमति बन गई**

साथ पहुंची कोमल ने शादी को लेकर जब गांव में हंगामा किया तो पूरा माजरा सामने आ गया।

इस संबंध में युवती ने युवक के विरुद्ध पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गेंदा सिंह को धारा 151 में बीती रात गिरफ्तार कर लिया। बाद में युवती ने उस पर शादी के लिए दबाव बनाया। कोर्ट परिसर में शादी पंजीयन करवाने को लेकर हंगामा किया। इस संबंध में कोमल अपने प्रेमी गेंदा सिंह के साथ एसडीएम एवं मजिस्ट्रेट के समक्ष भी गई, लेकिन शादी को लेकर अधिकारियों ने नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कहते हुए उन्हें वापस लौटा दिया।

युवक के चाचा मीतपाल ने बताया कि देर शाम को दोनों पक्षों में स्टाम्प पेपर पर शर्तें लिखकर शादी करने पर सहमति बन गई। लोगों के अनुसार बाद में गेंदा सिंह कोमल को अपने साथ ले गया। इस दौरान गेंदा सिंह का परिवार व ग्रामीण भी मौजूद थे। इससे पहले कचहरी में दोनों बहनों के आने और पूरे मामले को लेकर तमाशबीनों की भीड़ लगी रही। रायसिंहनगर न्यायलय के बाहर युवतियों ने हंगामा किया।

# हिमेटोलॉजी एनालाइजर मशीन से एक घंटे में 100 सी.बी.सी. जांचें हो सकेगी : सोनी

**बीकानेर,** (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी ने मंगलवार को केन्द्रीय प्रयोगशाला में हिमेटोलॉजी एनालाइजर तथा आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल में बायोकैमेस्ट्री एनालाइजर जांच मशीनों का उद्घाटन किया।

डॉ. सोनी ने बताया कि हिमेटोलॉजी एनालाइजर मशीन दानदाता दिनेश कपूर ने अपने पिताजी की स्मृति में भेंट की है, यह मशीन नो पैरामीअर वाली फुली ऑटोमेटिक है। इसमें एक घंटे में 100 सीबीसी जांचें की जा सकेगी। यह मशीन फ्लोसाइट्रोमीट्री तकनीक के आधार पर कार्य करती है। इसके अंदर ऑटोलोडर की सुविधा उपलब्ध है तथा इससे बॉडीफ्लड की जांच भी की सकेगी। इस मशीन की कीमत लगभग 23 लाख रूपये है। दानदाता प्रतिनिधि विवेक सोबती द्वारा इस मशीन की तीन वर्ष तक

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने हिमेटोलॉजी तथा बॉयोकैमेस्ट्री एनालाइजर मशीन का उद्घाटन किया।

नि:शुल्क मेंटीनेंस किया जायेगा। ऑटोमेटिक बायोकैमेस्ट्री एनालाइजर मशीन की जानकारी प्रदान करते हुए प्रचार्य डॉ. सोनी ने बताया कि इस मशीन को कॉलेज प्रशासन द्वारा आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल में कैंसर मरीजों की जांच के लिए लगभग 25 लाख रूपये के लागत पर खरीदा गया है। यह मशीन पूरी तरह भारत में निर्मित है। इस

- **हिमेटोलॉजी एनालाइजर मशीन दानदाता दिनेश कपूर ने अपने पिताजी की स्मृति में भेंट की**

मशीन से एक घंटे में 600 से अधिक सैम्पल की जांच की सकेगी। इस मशीन में बायोकैमेस्ट्री से जुड़ी सभी तरह की जांचों सहित कार्डियोप्रोफाइल इलेक्ट्रोराइट की जांचें भी की जा सकती है। इस दौरान अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. नवरंग लाल महावर, पीबीएम अधीक्षक डॉ. पी.के. सैनी, आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल के निदेशक डॉ. एच.एस. कुमार, पैथेलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. एस. पी. व्यास, रेडियोथरेपी विभागाध्यक्ष डॉ. नीति शर्मा आदि मौजूद थे।

# नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जनता को समर्पित

**बीकानेर,**(कासं)। बीकानेर (पूर्व) विधानसभा की इंद्रा कॉलोनी में विधायक सिद्धि कुमारी की अनुशंषा पर राज्य सरकार की ओर से नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश पूजन के बाद जनता को समर्पित किया गया।

विधायक सिद्धि कुमारी ने बताया कि पार्षद कमल कंवर मेडतिया व क्षेत्र वासियों द्वारा लम्बे समय से इस क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की मांग की जा रही थी। जिसमें राज्य सरकार को अनुशंषा कर इसका निर्माण करवाया गया। आज गणेश चतुर्थी के पावन दिन पर विधिवत पूजन कर इस स्वास्थ्य केन्द्र को जनता को समर्पित किया गया है। इस स्वास्थ्य केन्द्र से इंद्रा कॉलोनी के साथ सुभाषपुरा, अमरसिंह पुरा, पुलिस लाइन, गिन्नानी, कोरियों का मोहल्ला, रावतों का मोहल्ला, भुट्टा का बास व आस पास के निवासियों को इस का लाभ मिलेगा। पार्षद कमल कंवर मेडतिया ने कहा कि

विधायक सिद्धि कुमारी ने इंदिरा कॉलोनी में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का पूजन के बाद लोकार्पण किया।

विधायक सिद्धि कुमारी को वार्ड में विकास कार्यों के लिए ज़ब भी कहा गया तो विधायक सिद्धिकुमारी क्षेत्र में सड़कों, नालियों, पार्कों, स्कूल व सौन्दर्यकरण के विकास कार्यों को करवाया ओर आगामी दिनों में भी विकास कार्य करवाने के लिए प्रयास करेंगे। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग अधिशाषी अभियंता जे. पी. अरोड़ा, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक नेहा शेखावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ भगवानसिंह मैडतिया, भगवान सिंह जी तहसीलदार, हसन खा जी कोहरी, नारायण सिंह जी मालेर सहित सैकड़ों गणमान्य उपस्थित थे।

# खेलों में हम अनुशासन और कड़ी मेहनत से जीत हांसिल कर सकते हैं : कल्ला

**बीकानेर,** (कासं)। 67 वीं राज्य स्तरीय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग (अंडर 17 और 19 वर्ष )का शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने मंगलवार को बीबीएस स्कूल परिसर में उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डॉ कल्ला ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार खेलों में हम अनुशासन और मेहनत से जीत हांसिल कर सकते हैं। उसी प्रकार जीवन में भी अनुशासन और कड़ी मेहनत से सफलता पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि खेलों के जरिए राजस्थान में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। डॉ कल्ला ने बीबीएस स्कूल प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां से निकले होनहार बच्चों ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी शिक्षा के लिए पूरे राज्य में 3200 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खुलवाए हैं। जिसमें बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दी जा रही है।

इससे सभी वर्गों के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से निशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। इस अवसर पर राज्य भर से आये खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। इससे पहले मुख्य अतिथि डॉ. बी. डी. कल्ला, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मा.शि. सुरेंद्र सिंह भाटी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी खेल अनिल बोड़ा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मा.शि. सुनील बोडा का बीकानेर बॉयज स्कूल (बीबीएस) स्कूल के मैनेजर फादर थॉमस, स्कूल प्रिंसिपल फादर संदीप, वाइस प्रिंसिपल फादर स्टीफन, सिस्टर ब्रटिल, सिस्टर अनलीना ने साफा पहनाकर , स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। बीबीएस स्कूल के पीआरओ चांदरतन आचार्य ने बताया कि 67वीं राज्य स्तरीय बॉस्केटबाल प्रतियोगिता ( बालक वर्ग 17 एवं 19 वर्ष ) का आयोजन 19 से 23 सितम्बर तक स्कूल परिसर में किया जा रहा है। जिसमें विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में राज्य के 50 जिलों के 1344 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

बीबीएस स्कूल परिसर में राज्य स्तरीय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता का द्वीप प्रज्जवलित कर शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने उद्घाटन किया।

- राज्य स्तरीय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग (अंडर 17 से 19 वर्ष ) का शुभारंभ
- इस प्रतियोगिता में राज्य के 50 जिलों के 1344 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं
- प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 23 सितम्बर होगा

**लाइब्रेरी हॉल का लोकार्पण :** शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने मंगलवार को रत्ताणी व्यास पंचायती ट्रस्ट बगेची में नवनिर्मित रतन गणेश लाइब्रेरी हॉल का लोकार्पण किया। इस हॉल का निर्माण विधायक निधि से स्वीकृत 15 लाख की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया गया है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए लाभदायक साबित होगी। यहां युवाओं को अध्ययन के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने लाइब्रेरी को ज्ञान का भंडार बताया और कहा कि यहां की शोध-संदर्भ पुस्तकें आमजन और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पुस्तकें विद्यार्थियों की सबसे अच्छी मित्र होती है। पुस्तकों के नियमित अध्ययन करने से ही विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य को प्राप्त करता है। इस दौरान शिक्षा मंत्री बी. डी. कल्ला ने लाइब्रेरी में पुस्तकों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर शिवकुमारी कल्ला, डॉ सुरेंद्र व्यास, रत्ताणी व्यास पंचायती ट्रस्ट के गणमान्य मौजूद थे।

## जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

**नोखा,** (कासं)। जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपियों को नोखा पुलिस ने गिरफ्तार किया।

आरोपियों ने बाइक सवार को पिकअप से टक्कर मारकर लाठियों व सरियों से मारपीट की थी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। वहीं इसी मामले में दो आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया जा चुका है। थानाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि 27 अगस्त को अणखीसर निवासी महावीरदास साध ने नोखा थाने में मुकदमा दर्ज करवाकर बताया कि 27 अगस्त को ही सुबह उसका भाई सुरजनदास बाइक पर सवार होकर खेत जा रहा था। तभी रामदेव मंदिर के पास अणखीसर पहुंचा तो पीछे से आई पिकअप गाड़ी में सवार भजनगिरी, श्रवणगिरी, मनोजगिरी, कालगर, खेमगर, महावीरगर, पनगर, महेन्द्रगिरी, मालगिरी व अमरगिरी जाति गोस्वामी निवासी अणखीसर ने उसके भाई को जान से मारने की नीयत से लाठियों से मारपीट की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नोखा थाना स्तर पर टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने त्वरित गति से कार्यवाही करते हुए अणखीसर निवासी अनिल गिरी व महेन्द्रगिरी को गिरफ्तार किया गया व अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

## सार-समाचार

### संवेदनशील बूथों की समीक्षा की

हनुमानगढ़ कलेक्टर रूक्मणि सियाग व एस.पी. सुधीर चौधरी ने संवेदनशील बूथों को लेकर समीक्षा बैठक ली।

**हनुमानगढ़,** (कासं)। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर संवेदनशील बूथों की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वीसी के माध्यम से सभी ब्लॉक से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जुड़े। जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकर एक्सरसाइज करें और रूट मैप तैयार करें। बिना जांच पड़ताल के पिछले विधानसभा का ही रूट मैप भेजने वाले अधिकारियों की डिटेल निर्वाचन आयोग को भेजी जायेगी। एसपी सुधीर चौधरी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर वनरेबल और क्रिटिकल बूथ क्षेत्रों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार ने बैठक में हाउस टू हाउस सर्वे के तहत नोहर और पीलीबंगा में पेंडेंसी को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। बॉर्डर एरिया में नाकाबंदी को मजबूत करने और मतदान केन्द्रों में कोई अवैधानिक गतिविधि ना हो, इसे लगातार मॉनिटर करें। एसपी सुधीर चौधरी ने बैठक में बॉर्डर एरिया में मॉनिटरिंग बढ़ाने, अधिक कार्यवाही करने, नाकाबंदी को मजबूत करने, राजपासा एक्ट, गुंडा एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करने और कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी रूक्मणि रियार, एसपी सुधीर चौधरी, एडीएम कपिल कुमार यादव, एडिशनल एसपी बी.एल. मीणा, हनुमानगढ़ एसडीएम सुश्री दिव्या, संगरिया सीओ श्रवण झोरड़, रावतसर सीओ पुष्पेंद्र सिंह, जंक्शन थाना एसएचओ विष्णु खत्री, टाऊन थाना एसएचओ वेदपाल, गोलुवाला थाना एसएचओ अजय कुमार, महिला थाना एसएचओ भजनलाल, सदर थाना एसएचओ जसवंत सिंह आदि उपस्थित थे।

### नॉन प्रैक्टिस अलाउंस की मांग

पशु चिकित्सकों ने एन.पी.ए. की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला को ज्ञापन सौंपा।

**बीकानेर,** (कासं)। जिले के पशु चिकित्सकों द्वारा पशु चिकित्सक संघ के संभागीय उपाध्यक्ष डॉ कमल व्यास के नेतृत्व में नॉन प्रैक्टिस अलाउंस की मांग के संबंध में शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला को ज्ञापन दिया। इस दौरान डॉ. ओ.पी. पडिहार, डॉ राजेश हर्ष, डॉ गजेन्द्र राजपुरोहित, डॉ. पूनम पुरी, डॉ नईमुदीन, डॉ आशीष जोशी व डॉ सुभाष घारू सहित विभिन्न पशु चिकित्सक मौजूद थे। पशु चिकित्सक नॉन प्रैक्टिस अलाउंस की मांग पर 18 सितम्बर से अनिश्चिकालीन अवकाश पर है। संभागीय उपाध्यक्ष डॉ कमल व्यास ने कहा कि नॉन प्रैक्टिस अलाउंस की मांग पिछले 15 साल से लम्बित है। वेटरनरी कॉलेज के टीचिंग स्टाफ के डॉ. बृजनंदन श्रंगी ने धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया और कहा कि पांचवे, छठे व सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के बावजूद पशु चिकित्सकों एनपीए से वंचित किया जा रहा है।

### गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई

**अनूपगढ़,** (कासं)। अनूपगढ़ के श्री गणेश मंदिर धाम में भी गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्री गणेश मंदिर धाम को श्रद्धालुओं के द्वारा विशेष रूप से सजाया गया। महिलाओं के द्वारा गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर कीर्तन किया गया। अनूपगढ़ के अग्रवाल धर्मशाला में स्थित श्री गणेश मंदिर धाम में गणेश जी को 3101 लड्डूओं का भोग लगाया गया। गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्रद्धालुओं के द्वारा सवामणी का भोग भी लगाया गया। अनूपगढ़ की अग्रवाल सभा समिति, अग्रवाल युवा संगठन, श्री गणेश मंदिर धाम कमेटी और श्री गणेश सेना के द्वारा गणेश चतुर्थी पर विशेष तैयारी की गई। अग्रवाल धर्मशाला में स्थित श्री गणेश मंदिर को श्रद्धालुओं के द्वारा विशेष रूप से सजाया गया। श्रद्धालुओं के द्वारा आज गणेश जी को सवामणि का भोग भी लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिला मंडल द्वारा सुबह से ही मंदिर में कीर्तन किया जा रहा है। श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर दूर-दूर से श्रद्धालु गणेश मंदिर पहुंच रहे हैं और पूजा अर्चना कर मन्नत मांग रहे हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यातायात व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा। श्री गणेश मंदिर कमेटी और श्री गणेश सेना के द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू किया गया। श्री गणेश मंदिर धाम के पुजारी राजेश शास्त्री ने बताया कि भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा करने के साथ मंत्रों का जाप करने से सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है।

## ट्रोला खेत में बने कमरे की छत गिरने से दो मजदूरों की मौत

**श्रीगंगानगर,**(कासं)। केसरीसिंहपुर इलाके के गांव ग्यारह एस की रोही में देर रात खेत में बने कमरे की छत गिरने से यहां सो रहे दो मजदूरों की मौत हो गई। दोनों मजदूर अविवाहित थे।

इनमें एक ने खेत ठेके पर ले रखा था जबकि अन्य उसके साथ खेत में काम करता था। जब हादसा हुआ दोनों कमरे में सोये हुए थे। सुबह खेत पड़ौसियों के खेत पहुंचने पर उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इस पर शवों को बाहर निकलवाया गया और परिवार को हादसे की जानकारी दी गई। परिवार के लोगों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची केसरीसिंहपुर पुलिस ने शव सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। गांव एक एक्स का मलकीत सिंह पुत्र जगनसिंह बावरी गांव ग्यारह एस की रोही में खेत ठेके पर लेकर वहां ग्वार की खेती कर रहा था। उसने अपने ही गांव के जगसीर सिंह को अपने यहां खेत में काम करने के लिए रखा हुआ था। दोनों रात में खेत में ही ठहर जाते थे। रात दोनों खेत में बने कमरे में ही रूके थे।

- इनमें एक ने खेत ठेके पर ले रखा था जबकि दूसरा उसके साथ खेत में काम करता था
- जब हादसा हुआ दोनों कमरे में सोये हुए थे
- बारिश से कमरे की दीवारें व छत भीगी थी जो गिर गई

इलाके में बरसात हुई थी। ऐसे में कमरे की छत भीगी हुई थी। देर रात किसी समय छत अचानक नीचे आ गिरी। इससे मलकीत सिंह और जगसीर सिंह इसके नीचे दब गए और उनकी मौत हो गई। अन्य मृतक जगसीर भी अविवाहित है। गांव में उसके भाईयों का परिवार है। उसके खुद के परिवार में कोई नहीं है। अस्पताल पहुंचे दोनों मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

## पैदल यात्री रूणिचा धाम रवाना

**नोखा,** (कासं)। रामदेवरा रूणिचा धाम दर्शन के लिए विश्वकर्मा संघ पैदल यात्रियों का जत्था 35वीं बार रवाना हुआ। संघ कार्यालय भामाशाह एवं उद्योगपति धर्मचंद कुलरिया ने बाबा रामदेव की जोत कर पैदल यात्रियों को नेजा भेंट कर जत्थे को रवाना किया।

संघ में पैदल यात्रियों के भोजन, चाय नाश्ते, पानी आदि की माकूल व्यवस्था के लिए भामाशाह धर्मचंद कुलरिया ने 51 हजार रूपए का आर्थिक सहयोग दिया। मांगीलाल धामू, धर्मचंद उपाध्याय, रामदेव बरड़वा, मानाराम माकड़, मुरलीधर माकड़, राजूराम उत्तम, दिनेश धामू, नत्थूराम बरड़वा, राधेश्याम बरड़वा आदि उपस्थित थे।

वहीं काकड़ा में गांव के गुवाड़ परिसर से बाबा रामदेव संघ काकड़ा 30 वीं बार रामदेवरा दर्शन के लिए रवाना हुआ, जिसमें भामाशाह धर्मचंद कुलरिया ने हरवर्ष की भांति इस बार भी सेवा स्वरूप 51 हजार रूपए का आर्थिक सहयोग दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर, नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, मांगीलाल धामू, फिल्म अभिनेता राज जांगिड़ मौजूद थे।

## कीटनाशक के असर से किसान ने दम तोड़ा

**अनूपगढ़,** (कासं)। ग्राम पंचायत 30 एपीडी के गांव 26 एपीडी में खेत में फसल पर कीटनाशक का छिड़काव करते समय एक किसान की कीटनाशक के असर से मौत हो गई।

यह मामला देर रात का बताया जा रहा है। पुलिस ने अनूपगढ़ के राजकीय चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया है, हालांकि पुलिस प्रशासन को शव का पोस्टमार्टम करवाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। परिजनों के द्वारा आज सुबह पुलिस को मर्ग की रिपोर्ट दी गई थी और पोस्टमार्टम करवाने के लिए कहा गया था। मगर अचानक परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने के लिए मना कर दिया। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने लगभग 2 घंटे तक परिजनों के साथ समझाइश कर परिजनों को पोस्टमार्टम के लिए सहमत किया।

मृतक के भाई जसपाल सिंह (30) पुत्र बसंत सिंह ने बताया कि उसका बड़ा भाई कुलविंदर सिंह (35) गांव 26 एपीडी के खेत में नरमे की फसल पर कीटनाशक का छिड़काव कर रहा था कि अचानक उसे कीटनाशक चढ़ गई। कीटनाशक का असर होने के बाद कुलविंदर सिंह अपने घर आया और अचेत होकर गिर गया। परिजनों व ग्रामीणों के द्वारा कुलिंदर सिंह को अचेत अवस्था में अनूपगढ़ के अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने कुलविंदर सिंह को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी।

- खेत में फसल पर कीटनाशक का छिड़काव करते समय बेहोश हुआ किसान

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि सुबह लगभग 9 बजे परिजनों के द्वारा मामला दर्ज करने के लिए रिपोर्ट दी गई और कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा गया। परिजनों के द्वारा रिपोर्ट दिए जाने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की तो अचानक पोस्टमार्टम करवाने के लिए मना कर दिया। एसएचओ ने बताया कि परिवार के कुछ सदस्य शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाना चाहते थे।

## कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

**हनुमानगढ़,** (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशव्यापी आव्हान पर महासंघ से जुड़े कर्मचारी कार्यालय में काली ड्रेस और काली पट्टी बांधकर सरकार की ओर से निर्णय और समझौते को लागू नहीं करने का विरोध कर रहे हैं। 18 सितम्बर से जारी यह विरोध 23 तक जारी रहेगा।

आंदोलन के आगामी चरण में 24 सितम्बर को कर्मचारी वाहन आक्रोश रैली निकालेंगे। महासंघ के चन्द्रभान ज्याणी ने बताया कि वर्तमान सरकार ने अपने घोषणा पत्र में इस बात को शामिल किया था कि अगर उनकी सरकार आई तो कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जायेगा। लेकिन साढ़े चार साल बीत जाने के बाद भी ध्यान नहीं दिया गया। महासंघ की ओर से 29 अगस्त को जिला मुख्यालय पर मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री के नाम 15 सूत्री मांग पत्र कलेक्टर को सौंपा गया था।

- समझौता लागू न होने से कर्मचारी महासंघ नाराज, 24 को निकालेंगे आक्रोश रैली

## बेटी से दुष्कर्म का आरोपी पिता गिरफ्तार

**श्रीगंगानगर,** (कासं)। अपनी 9 साल की मासूम पुत्री से दुष्कर्म के आरोपी पिता को महिला अपराध मामलों की विशेष इकाई के प्रभारी सीओ प्रतीक मील ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया जायेगा।

आरोपी की निशानदेही आरोपी के घर पर जांच अधिकारी ने पहुंचकर नक्शा मौका की कार्रवाई की तथा सबूत इकट्ठे किए। इसके बाद आरोपी को जिला अस्पताल में ले जाया गया और उसका स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया। आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य का पता लगाने को भी पुलिस ने मनोचिकित्सक से परामर्श किया है।

## युवक की हत्या में शामिल बाल अपचारी डिटेन

**हनुमानगढ़,** (कासं)। मक्कासर गांव के चक चार एसटीजी की रोही स्थित खेत में पानी लगाने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में फरार चल रहे बाल अपचारी को जंक्शन पुलिस ने मंगलवार को डिटेन किया।

आरोपी ने मृतक पर डंडे से वार किए थे। पुलिस इस मामले में साजिशकर्ता सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। ये तीनों आरोपी पीसी रिमांड पर हैं। जंक्शन पुलिस थाना प्रभारी विष्णु खत्री ने बताया कि कुलदीप सहारण (45) पुत्र रणवीर सहारण निवासी वार्ड 12 मक्कासर की हत्या के मामले में एक बाल अपचारी को मंगलवार को डिटेन किया है। बाल अपचारी भी मृतक से की गई मारपीट में शामिल था। जांच में यह सामने आया है कि बाल अपचारी चिट्टा (हेरोइन) का नशा करने का आदी है। वारदात में प्रयुक्त डंडा बरामदगी की कार्रवाई के बाद बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड में पेश कर बाल सम्प्रेषण गृह भिजवा दिया। थाना प्रभारी खत्री के अनुसार अभी तक की जांच में पूर्व में गिरफ्तार मृतक के रिश्ते के चाचा और मुख्य आरोपी महावीर सहारण पुत्र शिवदत्त जाट निवासी वार्ड 12 मक्कासर के अलावा संदीप कुमार पुत्र पप्पूराम नायक निवासी वार्ड 9, मक्कासर और आकाशदीप पुत्र रणजीत सिंह उर्फ सीरा निवासी वार्ड 13, मक्कासर और बाल अपचारी की भूमिका सामने आई है।

- डंडे से किया था हमला, खेत में पानी लगाने को लेकर हुआ था विवाद

## कलेक्टर ने संवेदनशील मतदान केन्द्रों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली

**बीकानेर,** (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने मंगलवार को श्रीडूंगरगढ़ और नोखा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों व संवेदनशील मतदान केन्द्रों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और मतदाता सूची में नये जोड़े और हटाये गए नामों तथा संशोधन का क्रॉस वेरिफिकेशन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने के गजरूपदेसर, सोवा, बेरासर, देरासर किरतासर, काकड़ा, हिमटसर में तथा नोखा मंडी के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसआरके तहत उन्होंने संबंधित बीएलओ से फॉर्म नंबर 6, 7 और 8 में नाम हटाए जाने और नाम संशोधन और नए जोड़े गए नाम के संबंध में भी जानकारी ली।

गजरुपदेसर में मतदान केन्द्र निरीक्षण के बाद भगवती प्रसाद कलाल ने जनसुनवाई भी की और आम लोगों से बात कर जोड़े और हटाये गए नामों के संबंध में परिवारजनों से जानकारी ली और पुन: सत्यापन किया।

इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से शांतिपूर्वक भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की। भगवती प्रसाद ने मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और कहा कि सभी केन्द्रों पर पानी, बिजली, छाया की व्यवस्था रहे। मतदान के लिए केन्द्रों तक आने वाले बुजुर्गों और दिव्यांगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने श्रीडूंगरगढ़, नोखा और देशनोक क्षेत्र में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया।

- कलेक्टर ने मतदाताओं से शांतिपूर्ण ढंग से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की

जिला निर्वाचन अधिकारी ने देशनोक में भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा बालिका विद्यालय में मतदान केन्द्र की व्यवस्था देखी और समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीप के तहत चलाई जा रही मतदान जागरूकता गतिविधियों की जानकारी ली और आमजन को इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करने को कहा। इस दौरान उपखंड अधिकारी नोखा रमेश देव और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

## इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा की

**हनुमानगढ़,** (कासं)। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट में एडीएम कपिल कुमार यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को किया गया।

बैठक में एडीएम ने नगर पालिका व नगर परिषद द्वारा जारी किए जा रहे पट्टों की स्थिति तथा इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत किए जा रहे भुगतान, संपर्क पोर्टल पर शिकायतों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2022-23 में शहरों में भी रोजगार सुनिश्चित करने के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू करने की घोषणा की थी। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक वर्ष शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों को उनके द्वारा मांगे जाने पर प्रतिवर्ष 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है, जिसमें महंगाई राहत कैम्प में पंजीयन करवाने वाले परिवार को अतिरिक्त 25 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है।

गंगानगर कलेक्टर अंशदीप ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

इस पर लगभग 800 करोड़ रूपए से अधिक वार्षिक खर्च किए जा रहे है।

एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध भुगतान करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए नियम विरुद्ध नगर पालिका क्षेत्र में लगाए गए पोस्टरों को हटाने के निर्देश दिए।

संपर्क पोर्टल पर आ रही शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए।

निश्चित रूप से हम जीत के दावेदार हैं। टीम वास्तव में दमदार दिख रही है। यह वही टीम है जिसने थॉमस कप जीता था, इसलिए हम विश्व चैंपियन के रूप में जा रहे हैं।

**- लक्ष्य सेन**

**भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, एशियाई खेलों को लेकर।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

**जो रूट**

**भारत** में अगले महीने से शुरू होने वाले वनडे विश्वकप से पूर्व फॉर्म में लौटने की कवायद मे इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट बुधवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में खेलेंगे। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जॉक क्राउली की अगुवाई में पहले जिस 13 सदस्यीय टीम का चयन किया था उसमें विश्व कप के लिए चुनी गई टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था, लेकिन रूट ने पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई जिसके बाद उन्हें हैरी ब्रुक की जगह टीम में शामिल किया गया।

**क्या आप जानते हैं ?...** 1950 के विश्व कप फुटबॉल के मेजबान ब्राजील की फाइनल में उरुग्वे की हार से आयोजक इतने निराश हुए कि वे विजेता उरुग्वे को विजयी ट्रॉफी देना तक भूल गये।

## बीसीसीआई ने दिया रजनीकांत को गोल्डन टिकट

नयी दिल्ली 19 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को दक्षिण भारतीय फिल्मो के सुपर स्टार राजनीकांत को आगामी क्रिकेट विश्व कप का गोल्डन टिकट दिया है। बीसीसीआई बोर्ड के सचिव जयशाह ने आज भाषा और संस्कृति से परे जाकर लाखों लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने वाले महान अभिनेता रजनीकांत को गोल्डन टिकट प्रदान किया। बीसीसीआई ने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने रजनीकांत को गोल्डन टिकट देकर सम्मानित किया। इस महान अभिनेता ने करोड़ों दिलों की धड़कन पर अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अभिनेता हमारे प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में आईसीसी क्रिकेट विश्वकप 2023 की शोभा बढ़ाएंगे और अपनी उपस्थिति से इस सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन की चमक बढ़ाये। उल्लेखनीय है कि भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में बीसीसीआई ने कुछ नामचीन हस्तियों को आमंत्रित करने का काम किया। 'गोल्डन टिकट फॉर इंडिया आइकॉन्स' नाम से आयोजित इस मुहिम के तहत कुछ सेलिब्रेटी और पूर्व क्रिकेटरों को बीसीसीआई की ओर से विश्व कप मैच देखने के लिए गोल्डन टिकट दिया जा रहा है। बीसीसीआई ने अमिताभ बच्चन-सचिन तेंदुलकर गोल्डन टिकट देकर विश्वकप मैच देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं इस लिस्ट में अब एक और सुपरस्टार रजनीकांत भी बीसीसीआई की सूची में शामिल हो गये है।

## चेन्नईयिन एफसी ने लजार सिर्कोविच के साथ किया अनुबंध

चेन्नई, 19 सितंबर। चेन्नईयिन फुटबॉल क्लब (एफसी) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीजन से पहले सर्बियाई डिफेंडर लज़ार सिर्कोविच के साथ अनुबंध कर अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत किया। इंडियन सुपर लीग सीजन से पहले क्लब में अनुबंध कर शामिल किये जाने वाले सर्बियाई डिफेंडर पांचवें विदेशी खिलाड़ी है। चेन्नईयिन के मुख्य कोच ओवेन कॉयले ने क्लब की मीडिया टीम को बताया, हमें लजार सिर्कोविच को क्लब में लाकर बहुत खुशी हो रही है। हमने उसको अपने साथ लाने के लिए काफी मशक्कत की। कई क्लबों ने उसमें बहुत रुचि दिखाई थी क्योंकि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। सिर्कोविच ने 2022-23 सीज़न में हंगेरियन फर्स्ट डिवीजन में 17 मुकाबले खेले। उन्होंने एफके रेड, एफके पार्टिज़न बेलग्रेड और किस्वर्डा एफसी के लिए 146 मुकाबले खेले हैं। सिर्कोविच ने कहा, मैं भारतीय चुनौती के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं मैदान पर उतरने और अपनी नयी टीम के साथियों और प्रशंसकों के लिए मुकाबले का इंतजार नहीं कर सकता। जल्द ही मिलते हैं, चेन्नई। उल्लेखनीय है कि चेन्नईयिन फुटबॉल क्लब इस समय आईएसएल 2023-24 सीज़न की तैयारी कर रहा है। उसे शनिवार को भुवनेश्वर में ओडिशा फुटबॉल क्लब के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है।

## आईसीसी ने तीन भारतीयों सहित आठ लोगों पर भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप लगाए

दुबई, 19 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2021 एमिरेट्स टी10 लीग के दौरान भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिए आठ खिलाड़ियों, अधिकारियों और कुछ भारतीय टीम मालिकों पर विभिन्न आरोप लगाए हैं। दो भारतीय सह मालिक पराग संघवी और कृष्ण कुमार हैं। ये दोनों टीम पुणे डेविल्स के सह मालिक हैं और उस सत्र में इनके एक खिलाड़ी बांग्लादेश के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज नासिर हुसैन पर भी लीग की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप लगे हैं। भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने वाला तीसरा भारतीय एक अंजान सा बल्लेबाजी कोच सन्नी ढिल्लों है। आईसीसी ने कहा, "आरोप 2021 अबु धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं - इन प्रयासों को बाधित किया गया था। आईसीसी को इस टूर्नामेंट के लिए ईसीबी ने नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी (डीएसीओ) के रूप में नियुक्त किया गया था और इस प्रकार ईसीबी की ओर से ये आरोप जारी किए जा रहे हैं।" संघवी पर मैच के नतीजों और अन्य पहलुओं पर सट्टा लगाने तथा जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करने के आरोप लगे हैं। कृष्ण कुमार पर डीएसीओ से चीजों को छिपाने के आरोप लगे हैं जबकि ढिल्लों पर मैच फिक्स करने का प्रयास करने के आरोप हैं। बांग्लादेश के लिए 19 टेस्ट और 65 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले नासिर पर डीएसीओ को 750 डॉलर से अधिक के तोहफे की जानकारी का खुलासा नहीं करने का आरोप लगा है। जिन अन्य लोगों को निलंबित किया गया है उनमें बल्लेबाजी कोच अजहर जैदी, यूएई के घरेलू खिलाड़ी रिजवान जावेद और सालिया समन और टीम मैनेजर शादाब अहमद शामिल हैं।

## वॉलीबॉल : भारत ने कंबोडिया को 3-0 से हराया

हांगझोऊ, 19 सितंबर। चीन के हांगझोऊ में एशियाई खेल में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने मंगलवार को शुरुआती मैच में कंबोडिया को 3-0 से हरा दिया। पूल सी के एक मैच में भारत ने कमजोर कंबोडिया के खिलाफ 25-14, 25-13, 25-19 से आसान जीत दर्ज की। टीम अपने अगले मुकाबले में बुधवार को दक्षिण कोरिया से लोहा लेगी। एशियाई खेलों में भारत समेत कुल 19 टीमें हिस्सा ले रहीं है जिनमें जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में से किसी एक को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

# एशियाई खेल : फुटबॉल में चीन ने भारत को 5-1 से हराया

हांगझोऊ 19 सितंबर। एशियाई खेल 2022 में फुटबॉल के ग्रुप ए के मैच में मंगलवार को भारत ने मेज़बान चीन के हाथो से 5-1 से हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। गाओ तियानयी ने 17वें मिनट में चीन के लिए गोल किया जबकि राहुल केपी ने पहले हाफ के अंतिम मिनटों में भारत के लिए गोल की बराबरी की। दूसरे हाफ में चीन ने 51वें मिनट में दाई वेइजुन के जरिए अपनी बढ़त हासिल की। इसके बाद कियांगलोंग ताओ (72, 75) ने गोल किए और हाओ फैंग (92) ने अंतिम मिनटों में टीम के लिए पांचवां गोल किया। पहले गेम में इस बड़ी हार के चलते भारतीय फुटबॉल टीम को अगले राउंड में जगह बनाने के लिए अगले दो मैचों में बांग्लादेश और म्यांमार के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी।

छह सर्वश्रेष्ठ उपविजेताओं में से तीन के साथ केवल ग्रुप विजेता ही क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। एशियाई खेलों में बिना किसी प्रशिक्षण शिविर के खेलने आई भारतीय फुटबॉल टीम मैच की शुरुआत में ही डगमगा गई और चीन ने लगातार अटैक करना जारी रखा। मिडफील्ड से भारत का नेतृत्व कर रहे सुनील छेत्री ने जगह बनाई और 14वें मिनट में भारत को लगभग बढ़त दिला दी, लेकिन 25 गज की दूरी से मारा गया लम्बा शॉट बाहर चला गया। वहीं, चीन ने पलटवार करते हुए इसके ठीक तीन मिनट बाद पहला गोल कर दिया।

# एशियाई खेल में भाग लेने भारतीय पुरुष हॉकी टीम हांगझाऊ रवाना

बेंगलुरु, 19 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19वें एशियाई खेल हांगझाऊ 2022 में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से हांगझाऊ के लिए रवाना हो गई। भारतीय टीम 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं।

प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। करिश्माई डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि हार्दिक उनके डिप्टी होंगे। हरमनप्रीत ने कहा टीम 19वें एशियाई खेलों हांगझाऊ 2022 के लिए कड़ी तैयारी कर रही है। हमने हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लक्ष्य प्रदर्शन के उस स्तर को बनाए रखना है। हमारे पूल में कुछ कठिन प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन हमें अपनी तैयारी पर भरोसा है और उम्मीद है कि हम पोडियम पर पहुंचेंगे।

टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक शामिल हैं जबकि डिफेंडर की जिम्मेदारी वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और संजय के हाथों में होगी। मिडफील्ड की कमान नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और शमशेर सिंह द्वारा संभाली जाएगी, जबकि आक्रमण का नेतृत्व अभिषेक, गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय करेंगे।

हांगझाऊ रवाना होने से पहले, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा टूर्नामेंट की अगुवाई में हमने कुछ कठिन अभ्यास सत्र किए हैं और शिविर में हर कोई एक ही लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करके काम कर रहा है। हम हांगझाऊ की यात्रा करने के लिए सर्वोत्तम मानसिक और शारीरिक स्थिति में हैं, और हम अपने ग्रुप में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहे हैं। भारत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा जबकि 26, 28 और 30 सितंबर को उसका मुकाबला क्रमशः सिंगापुर, जापान और पाकिस्तान से होगा। टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच दो अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

**भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कार्यक्रम :** 24 सितंबर 2023 को, भारत बनाम उज्बेकिस्तान, 0845 बजे भारतीय समयानुसार, 26 सितंबर 2023 को, भारत बनाम सिंगापुर, 0630 बजे भारतीय समयानुसार, 28 सितंबर 2023 को, भारत बनाम जापान, 1815 बजे भारतीय समयानुसार, 30 सितंबर 2023 को, भारत बनाम पाकिस्तान, 1815 बजे भारतीय समयानुसार, 2 अक्टूबर 2023 को, भारत बनाम बांग्लादेश, 1315 बजे भारतीय समयानुसार, मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

## ससेक्स के कप्तान पुजारा एक काउंटी मैच से निलंबित

होव (इंग्लैंड), 19 सितंबर। भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को एक काउंटी मैच से निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उनकी टीम ससेक्स पर काउंटी चैंपियनशिप में लीस्टरशर के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 12 अंकों का जुर्माना लगाया गया। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार ससेक्स के इस सत्र में चार निश्चित पेनल्टी की सीमा तक पहुंचने के कारण कप्तान के नाते पुजारा स्वतः ही निलंबित हो गए। इस तरह से वह डर्बीशर के खिलाफ इस सप्ताह होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। ससेक्स ने तीन खिलाड़ियों जैक कार्सन, टॉम हैन्स और एरी कारवेलस को उनके खराब व्यवहार के कारण टीम से बाहर करने का फैसला किया है। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा इन खिलाड़ियों के व्यवहार के कारण टीम की पिछले सप्ताह लीस्टरशर के खिलाफ दर्ज की गई 15 रन की जीत का रंग फीका पड़ गया और टीम को अगले मैच से पुजारा की सेवाओं से वंचित कर दिया। उन्होंने कहा," इन खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना आवश्यक था। अनुशासन हीनता किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसका खामियाजा हमें अगले मैच में चेतेश्वर की अनुपस्थिति के रूप में भुगतना पड़ेगा और इससे हमें 12 अंकों का नुकसान भी हुआ।

# भारतीय हॉकी टीम को रहेगी विश्व नंबर 1 बनने की तलाश

हांगझाऊ, 19 सितंबर। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर विश्व कप हासिल करने तक पिछली एक सदी के दौरान अधिकांश समय हॉकी के शिखर पर रहने के बावजूद भारतीय टीम की विश्व की नंबर एक टीम बनने की हसरत फिलहाल पूरी नहीं हो सकी है।

एक जमाने में हॉकी में भारत का डंका बजता था और उसके सामने प्रतिद्वंदी टीम का टिक पाना बेहद मुश्किल समझा जाता था मगर समय के साथ पश्चिम के देशों ने भी हाकी में खुद को स्थापित किया। इस बीच रैंकिंग प्रणाली 2003 में अस्तित्व में आयी। नई रैंकिंग प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी टीम की रैंकिंग में उतार-चढ़ाव आया है। 2003 में हॉकी रैंकिंग प्रणाली शुरू होने पर पुरुष टीम छठे स्थान पर थी। उसी साल भारत ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता।

लेकिन जल्द ही भारत की फॉर्म में गिरावट आई और वे टूर्नामेंट से शुरू में ही बाहर हो गए। भारतीय टीम 2005 में आठ देशों की राबो ट्रॉफी में सातवें स्थान पर खिसक गयी जबकि 2005 में ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी आखिरी स्थान पर रही। टूर्नामेंट जीतने के लिए संघर्ष कर रही भारतीय टीम ने इसके बावजूद शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखा क्योंकि हॉकी रैंकिंग प्रणाली चार साल के चक्र के परिणामों पर विचार करती थी। 2007 चैंपियंस चैलेंज में कांस्य पदक से भी भारत को मदद मिली मगर भारतीय हॉकी की फॉर्म में गिरावट जल्द ही रैंकिंग में दिखाई देने लगी।

भारतीय टीम 2006 हॉकी विश्व कप में अपने सात में से पांच मैच हार गई और टूर्नामेंट में 11वें स्थान पर रही। टीम 80 वर्षों में पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और बीजिंग 2008 में उसे बाहर रहना पड़ा।

निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत 2008 में पहली बार हॉकी रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन भारत ने 2010 में विश्व कप की मेजबानी की थी लेकिन पूल चरण में केवल एक बार जीत हासिल की और आठवें स्थान पर जगह बनायर। इससे भारत 12वें स्थान पर खिसक गया, जो अब तक की उनकी सबसे खराब हॉकी रैंक है।

अगले दशक में भारत के प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार देखा गया। भारत ने 2014 एशियाई खेलों और 2017 एशिया कप के साथ-साथ चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (2011, 2016 और 2018) जीती। भारत चैंपियंस ट्रॉफी, कॉमनवेल्थ गेम्स और हॉकी वर्ल्ड लीग में भी पदक विजेता रहा। हॉकी रैंकिंग में लगातार सुधार दिखाई दिया और 2020 में जब पुरानी रैंकिंग प्रणाली को बदला गया तो भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद 2021 में भारतीय पुरुष हाकी टीम अपनी सर्वोच्च रैंकिंग 'तीन' पर पहुंच गयी। यह 41 वर्षों में उनका पहला ओलंपिक पदक था। तब से, भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021, एफआईएच प्रो लीग 2021-22 और एशिया कप 2022 में तीसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता और फिर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दोबारा हासिल करने में सफल रहे। 2023 में टीम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

## आईएसएसएफ विश्व कप 2023 में भारत ने जीता दूसरा पदक

रियो डी जनेरियो 19 सितंबर। भारत की निश्चल ने सोमवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आईएसएसएफ विश्व कप 2023 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता।

आईएसएसएफ विश्व कप के अंतिम दिन 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के पोडियम फिनिश के साथ भारत के पदकों की संख्या दो हो गई। इससे पहले इलावेनिल वलारिवन ने शनिवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। रियो में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप में कुल 16 भारतीय निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, एशियाई खेल में भाग लेने वाले भारत के निशानेबाजों ने इस मीट में हिस्सा नहीं लिया।

भारत के 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन सौरभ चौधरी गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। इस साल की शुरुआत में बाकू में सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप में डेब्यू करने वाली निश्चल ने रियो में फाइनल में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 458.0 का स्कोर बनाया और नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड से पीछे रहीं, जिन्होंने 461.5 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जेनेट हेग डुएस्टैड तीन बार की विश्व चैंपियन और ओलंपियन हैं। डेनमार्क की स्टेफ़नी ग्रंडसो ने 447.6 अंकों के साथ रियो में कांस्य पदक जीता। निश्चल ने अपने दिन की शुरुआत एलिमिनेशन राउंड में 587 स्कोर के साथ की। फाइनल के लिए क्वालिफिकेशन राउंड में, निश्चल ने 592 का स्कोर बनाकर अंजुम मौदगिल के पिछले साल प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह मौजूदा विश्व चैंपियन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की मियाओ वानरू के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, जिन्होंने क्वालीफायर में 594 अंक हासिल किए लेकिन फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं।

# गणेश चतुर्थी पर छोटीकाशी में गूंजा "गणपति बप्पा मोरिया..."

**जयपुर।** भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी मंगलवार को विभिन्न शुभ योग-संयोग में गणेश चतुर्थी के रूप में भक्तिभाव से मनाई गई। सुबह से देर रात तक छोटीकाशी प्रथम पूज्य की आराधना में लीन रही। श्रद्धालुओं ने गणेश मंदिरों में दर्शन किए।

मंदिरों के अलावा घरों में भी विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता की पूजा-अर्चना कर गुड़ धानी का भोग लगाया गया। तीन सौ साल बाद ब्रह्म योग, शुक्ल योग और शुभ योग में गणपति के जन्मोत्सव का उत्साह देखते ही बनता था। घर के प्रवेश द्वार पर स्थापित द्वारपाल गणेश जी का गंगा जल से अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया गया। रोली, मोली, चावल, रक्षा अर्पित कर अगल-बगल में डंके रखे गए। गुड़धानी का भोग लगाकर परिवार के सभी सदस्यों ने लंबोदर की आरती उतारी। चांदपोल, सूरजपोल, न्यूगेट, अजमेरी गेट, सांगानेरी गेट, घाटगेट पर स्थापित गणेशजी का नगर निगम और सामाजिक संस्थाओं की ओर से पूजन किया गया।

गणेश चतुर्थी पर गढ़ गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दर्शनों के लिए श्रद्धालु 365 सीढ़ियां चढ़कर प्रथम पूज्य के दर्शन करने पहुंचे। महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में सुबह चार बजे पंचामृत गणपति का जन्माभिषेक किया गया। पल्लव, पुष्प और माला से गणपति का श्रृंगार किया गया। सुबह पांच बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दूर्वाचन और सहस्त्र मोदक अर्पित किए गए। सहस्त्र नामावली से हवन किया गया। रात्रि 12 बजे शयन आरती हुई।

उधर मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सुबह 4 बजे से ही दर्शनार्थियों का तांता लग गया जो कि देर रात तक जारी रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु देर रात घरों से पदयात्रा के रूप में रवाना होकर सुबह चार बजे मंगला झांकी में दर्शन करने पहुंचे। सवा ग्यारह बजे गणेशजी का विशेष पूजन कर साढ़े ग्यारह बजे श्रृंगार आरती की गई। दोपहर सवा दो बजे भोग आरती हुई। शाम सात बजे संध्या आरती के समय सर्वाधिक श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं की कतारे जेडीए, रिजर्व बैंक और त्रिमूर्ति सर्किल तक पहुंच गई। महिलाओं और पुरूषों के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई। खास बात यह रही कि कि किसी भी कतार में प्रवेश करने के बावजूद भक्तों को गणेशजी के दर्शन ठीक सामने से हुए। गणेशजी के जयकारों और घंटों की आवाज से मंदिर दिरभर गूंजायमान रहा। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर भगवान श्री गणेश जी महाराज स्वर्ण मुकुट धारण कर चांदी के सिंहासन पर विराजमान रहे। नोलडी का नोलखा हार का पारंपरिक श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा।

श्री गणेश मंदिर मोती डूंगरी की ओर से बुधवार को भगवान श्री गणेशजी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। दर्जनों झांकियों के साथ शोभायात्रा मोती डूंगरी गणेशजी से रवाना होकर मोतीडूंगरी रोड, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी होती हुइ श्री गढ़ मंदिर के नीचे वाले चौक तक जाएगी। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा।

- **गढ़ गणेश और मोतीडूंगरी मंदिर में दिखा आस्था का ज्वार**
- **मोतीडूंगरी मंदिर से आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे गणपति**

**गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की मंगलवार को पूरे दिन कतारें लगी रहीं।**

## '1100 कॉलोनियों तक जल्दी पहुंचेगा बीसलपुर का पानी'

**जयपुर** (कासं)। बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम का काम दिसंबर माह तक पूरा होगा। इससे जयपुर की करीब 1100 कॉलोनियों तक बीसलपुर का पानी पहुंचेगा। मजेदार बात यह है कि प्रोजेक्ट का काम पूरा होने में अभी 3 माह बाकी है, लेकिन जलदाय मंत्री महेश जोशी ने मंगलवार को आनन-फानन में रंगोली गार्डन क्षेत्र में पेयजल वितरण पार्ट का लोकार्पण कर दिया। इस दौरान कृषि मंत्री व झोटवाड़ा विधायक लालचंद कटारिया के साथ महेश जोशी ने पंप हाउस से पानी चलाकर रंगोली गार्डन वितरण क्षेत्र की 53 कॉलोनियों को पेयजल आपूर्ति की शुरूआत भी की।

मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा कि परियोजना का प्रथम चरण दिसम्बर तक पूरा होने के साथ ही पृथ्वीराज नगर की 1100 कॉलोनियों को बीसलपुर का पानी मिलने लगेगा। 747 करोड़ रूपए की लागत के बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय में भी पृथ्वीराज नगर एवं आसपास की करीब 2200 कॉलोनियों में बीसलपुर का पानी पहुंचेगा। परियोजना के फेज-प्रथम में तहत 563.93 करोड़ रूपए की लागत से बालावाला से लोहामंडी तक 44 किलोमीटर लम्बी टांसमिशन मेन लाइन, 51 किलोमीटर की राइजिंग मेन लाइन, करीब 970 किलोमीटर की डिस्ट्रीब्यूशन मेन लाइन और साथ ही, 9 स्वच्छ जलाशय मय पंप हाउस तथा 19 उच्च जलाशय के कार्य शामिल हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने पृथ्वीराज नगर की जनता को बीसलपुर का पानी पिलाने का वादा पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया। मुख्य अभियंता (शहरी), पीएचईडी के.डी. गुप्ता ने बताया कि परियोजना के प्रथम चरण का 85 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है जिसमें 15 उच्च जलाशय तथा 7 स्वच्छ जलाशय के साथ ही 95 फीसदी पाइप लाइन बिछाने का काम हो गया है। कार्यक्रम में जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा, जोबनेर प्रधान शैतान सिंह मौजूद थे।

*पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गणेश चतुर्थी के मौके पर सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा -अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पायलट ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किये जाने पर भी संतोष प्रकट किया और कहा कि, समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए यह बहुत ही जरुरी कदम है।*

# 'देश की प्रगति के लिए बड़े कैनवास पर काम करने की जरूरत'

## प्र.मंत्री मोदी ने नये संसद भवन में कार्यवाही शुरु होने से पहले पुराने संसद भवन में दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया

नयी दिल्ली, 19 सितम्बर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि, संसद को अमृत काल के अगले 25 वर्ष में बड़े कैनवास पर मिलकर काम करना है और जनता की आकांक्षाओं के अनुसार नीतियों और कार्यक्रमों में सुधार लाकर देश की सर्वांगीण प्रगति को गति देनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले नये कानून बनाएं और पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि भारत इस समय दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कगार पर है। पूरी दुनिया हमें अपेक्षा से देख रही है। उनका कहना था कि असंतुलित विकास समृद्धि नहीं दे सकता इसलिए सर्वांगीण विकास की दिशा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

मोदी ने मंगलवार को नये संसद भवन में कार्यवाही शुरु होने से पहले पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित दोनों सदनों के विशेष संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए पुराने संसद भवन का नाम 'संविधान सदन' रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने पुराने संसद भवन का नाम ''संविधान सदन'' रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया।**

उन्होंने कहा, ''आज हम यहां से विदा लेकर संसद के नए भवन में बैठने वाले हैं और ये बहुत शुभ है कि गणेश चतुर्थी के दिन वहां बैठ रहे हैं। हम सब भाग्यवान है कि आज भारत उम्मीदों की उस ऊंचाई पर है जो शायद पिछले एक हजार साल में भी नहीं रही होगी। हम यहां से उठकर एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प और निश्चय के साथ नये संसद भवन में जा रहे हैं। यह क्षण भावुकता है लेकिन कर्तव्य पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करता है। संविधान सदन हमें दिशा देता रहेगा और हमें याद दिलाता रहेगा उन महान विभूतियों की जो संविधानसभा के सदस्य थे और जिन्होंने हमारा संविधान गढकर हमें दिया।

मोदी ने कहा समय की मांग है कि आत्म निर्भर भारत के संकल्प पूरा करना है उसमें दल आड़े नहीं आते हैं इसके लिए सिर्फ दिल चाहिए और वह दिल सिर्फ देश के लिए चाहिए। हमें प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर सुधार करने होंगे। निर्णय करते समय लोगों की आकांक्षा हमारी सोच में सबसे ऊपर होनी चाहिए। हमें अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत बनाना है। नयी उम्मीदों के बीच संसद का यह सर्वोच्च दायित्व है कि वह जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नये कानून बनाए और पुराने पड़ चुके कानूनों को निरसन करे।

प्रधानमंत्री ने कहा भारत आज विश्वमित्र के रूप में उभर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ग्लोबल साउथ (गरीब और विकासशील देशों) की आवाज बना। भारत नई ऊर्जा से भरा हुआ है। हमारी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी है। पूरी दुनिया मानती है कि हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने जा रहे हैं और दुनिया हमारी ओर उम्मीद की नजर लगाए है। संसद का केंद्रीय कक्ष हमें हमारे कर्तव्यों को पूरा करने कील प्रेरणा देता है। यह वही ऐतिहासिक स्थल है जहां हमारे संविधान ने मूर्तरूप ग्रहण किया। यही सदन है जहां अंग्रेजों ने सत्ता हमें सौंपी और इसी जगह संविधान सभा की बैठकें हुईं।

# मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पहुंचे पायलट, प्रदेश की समृद्धि की प्रार्थना की

## महिला आरक्षण विधेयक पर पायलट ने कहा, यह तो कांग्रेस की पुरानी मांग है

जयपुर 19 सितंबर । कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य सचिन पायलट ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

यहां सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा बिल आया है। यह कांग्रेस की पुरानी मांग थी और अब बिल प्रस्तुत किया गया है। यह बिल पहले आना चाहिए था। अब बिल आ गया है, लेकिन अब सुनने में आया है कि यह लागू 2029 में होगा। सवाल इस बात का है कि, अभी क्यों नहीं ? इससे लगता है कि सरकार की नीयत और मंशा में फर्क हैं। अगर सभी दलों की सहमति है, तो फिर अभी क्यों लागू नहीं कर रहे हैं।

- **पायलट ने कहा कि, बिल पेश तो हुआ, पर 2029 में ही लागू हो पाएगा, इससे लगता है सरकार की नीयत नहीं है इसके क्रियान्वयन की।**
- **पायलट ने कोटा में बच्चों के आत्महत्या के मामलों में निरंतर वृद्धि होने पर गंभीर चिंता जताई तथा काउन्सिलिंग पर जोर दिया।**

कोटा में बच्चों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं के मामलों पर सचिन पायलट ने कहा, मैं खुद दुख प्रकट करता हूं। मुख्यमंत्री खुद कोटा गये थे और इस मसले पर बोले भी थे। मैं कहता हूं कि, काउन्सलिंग के साथ-साथ यह जांच भी जरूरी है कि, ये लगातार क्यों हो रहा है। यह इस प्रकार चलता रहा तो समाज के लिए अच्छी बात नहीं।

कांग्रेस की चुनावी तैयारी पर उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जयपुर आयेंगे और हमारी पार्टी के नए कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। कुछ दिन पहले राहुल गांधी बांसवाड़ा आए थे। खड़गे भीलवाड़ा आए थे। प्रियंका गांधी टोंक आई थीं। अब दोनो नेता जयपुर आएंगे ,तो उनके आने से कार्यकताओं में उर्जा का संचार होगा। हमारी पार्टी ने चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है और सभी सरकार को रिपीट कराना चाहते हैं।

## लश्कर के दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 19 सितंबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले कोकरनाग इलामें में जारी मुठभेड़ में मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा के एक कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गये। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने आज कोकरनाग में संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाके में दो से तीन आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों और पुलिस ने गत बुधवार से संयुक्त अभियान छेड़ा था। दोनों पक्षों के बीच जारी मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये हैं। इनमें एक आतंकवादी का शव बरामद कर लिया गया है जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा कमांडर उजैर खान के रूप में की गयी है। कुमार ने बताया कि तलाश अभियान अभी जारी रहेगा। उन्होंने अभियान जारी रहने तक लोगों से इलाके में न जाने की सलाह दी है। मुठभेड़ की शुरुआत के दिन लापता पुलिस जवान प्रदीप का शव सोमवार को मिला था।

# 'जब महिलायें सियाचिन में तैनात हो सकती हैं तो है तो पुरुष नर्स क्यों नहीं बन सकते'

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए एक बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जब एक महिला अधिकारी को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष को सेना में नर्स के रूप में भी नियुक्त किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा एवं न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ सैन्य प्रतिष्ठानों में केवल महिला नर्सों को रखने की कथित असंवैधानिक प्रथा के बारे में एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ ही विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए पीठ ने याचिका को नवंबर में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

केन्द्र का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सेना में प्रथाएं लंबे समय से चली आ रही परंपराओं पर आधारित हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि सरकार अभी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक कानून लेकर आई है। एक तरफ आप महिलाओं को सशक्त बनाने की बात कर रहे है और वहीं दूसरी तरफ आप कह रहे हैं कि पुरुष नर्स के रूप में शामिल नहीं हो सकते। अदालत ने कहा- यदि एक महिला (अधिकारी) को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष आर एंड आर (अस्पताल) में काम कर सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने की अनुमति दी है। उच्चतम न्यायालय ने बार-बार माना है कि कोई लैंगिक पूर्वाग्रह नहीं होना चाहिए।

- **दिल्ली हाईकोर्ट ने सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए यह बड़ी टिप्पणी की।**

## पूर्व आईजी को...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि, इतने सालों बाद चार्जशीट देना गलत है। रिटायर होने के बाद किसी गंभीर मामले में ही दंडित किया जा सकता है। जबकि याचिकाकर्ता को जिस मामले में दंडित किया गया है, वह ज्यादा गंभीर नहीं है। ऐसे में उन्हें रिटायर होने के बाद दंडित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट में 24 साल चली इस याचिका के लंबित रहने के दौरान करीब 13 साल पहले रामानुज शर्मा का निधन हो गया। इस पर उनके उत्तराधिकारी ने याचिका को जारी रखा।

## कैनडा के प्र.मंत्री...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

धमकियाँ मिली हैं और जब अलगाववादियों ने बदले की धमकी देते हुए उनके फोटो और नाम पोस्टरों पर छापे तब उन्हें कैनडा से बाहर पदस्थापित किया गया। निज्झर के संरक्षक और एक अन्य घोषित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने वाले वीडियो भी सामने आए हैं, जबकि उसे कैनडा द्वारा सुरक्षा प्रदान की हुई है।

सूत्रों ने पूर्व में कैनडा को जारी की गई कई आपत्तियों की याद दिलाई, जिनमें चार वर्ष पूर्व किसान आंदोलन पर की गई ट्रूडो की टिप्पणी भी शामिल है, जिससे उत्साहित खालिस्तानी अलगाववादी कैनडा में भारतीय उच्चायोग के सामने एकत्रित हो गए थे और सुरक्षा का मुद्दा पैदा हो गया था। पिछले माह भारत ने सुझाव दिया था कि, भारतीय राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा को मिल रही धमकी की जांच के लिए एन.आई.ए. की टीम को भेजा जाय, मगर कैनडा ने इंकार कर दिया था। कैनडा में कथित तौर पर अवैध प्रवेश करने वाले निज्झर की 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरी स्थित एक गुरूद्वारे के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भारत सरकार ने पहले ही उसे आतंकवादी घोषित कर दिया था।

इसके और व्यापक प्रभाव होने की संभावना है, जिसमें प्रतिष्ठा भी शामिल है और बाद का प्रभाव भारत के भीतर और बाहर एक सा नहीं होगा। सूत्रों ने कहा कि, ट्रूडो ने तभी भारत के विरूद्ध आक्रामक होने का मानस बना लिया था, जब उनके विशेष विमान में खराबी के कारण उन्हें भारत में रूके रहना पड़ा था। उस योजना के तहत उन्होंने अपने एन.एस.ए. जोडी थॉमस को लंदन भेजा, ब्रिटिश एन.एस.ए. को सारी सूचना देने के लिए, जबकि उन्होंने खुद फोन पर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं को इस घटनाक्रम की सूचना दी।

सूत्रों ने कहा, ''हम एक प्रजातंत्र हैं जो कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानियों और आतंकवादियों से ध्यान हटाते हैं जिन्हें कैनडा में आश्रय दिया गया है और जो भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा बने हुए हैं। इस मामले में कैनडा की सरकार की निष्क्रियता लंबे समय से और लगातार चिंता का विषय बनी हुई है।''

''कैनडा में हत्याएं, मानव तस्करी और संगठित अपराधों को जो जगह दी गई है वो कोई नई बात नहीं है। हम भारत सरकार को इन चीज़ों से जोड़ने के प्रयासों को खारिज करते हैं। हम कैनडा सरकार से निवेदन करते हैं कि, वह अपनी धरती पर भारत विरोधी कार्रवाई करने वाले सभी तत्वों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करे।'' ट्रूडो ने कहा, ''आज हमें इन आरोपों का पता चला कि, भारत सरकार के एजेंटों ने कैनडा के हारदीप सिंह निज्झर की कैनडा की धरती पर ही हत्या कर दी। सभी कैनडावासियों से मेरा वादा है कि मैं न्याय के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेवार ठहराने सहित। कैनडा की धरती पर यहां के नागरिक की हत्या में किसी विदेशी सरकार का हाथ होना स्वीकार्य नहीं है और यह हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है। यह उन आधारभूत नियमों के विरूद्ध है जिनसे आजाद, खुले और जनतांत्रिक समाज व्यवहार करते हैं।''

जब कैनडा के प्रधानमंत्री ने हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने कहा कि वह इन आरोपों को लेकर बहुत चिंतित है। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रियन वॉटसन ने एक ई-मेल पर कही। उन्होंने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि, कैनडा की जांच आगे बढ़े और दोषियों को सजा मिले।'' भारत के पूर्व राजनयिक के.सी. सिंह ने दोनों देशों के बीच बिगड़ते संबंधों पर कहा कि, एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक पर ऐसा आरोप लगाना दुर्लभ है। उन्होंने एक्स पर लिखा, ''जी 7 और नाटो के सदस्य द्वारा तो बिल्कुल नहीं। भारत को इसे आते हुए देख लेना चाहिए था। ट्रूडो को भारत यात्रा के दौरान नीचा दिखाने की बजाय उन्हें जोड़ना चाहिए था। अब स्थिति सुलझने के कगार से दूर जा चुकी है।

## राउज़ एवेन्यु...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में गहलोत की ओर से उनके खिलाफ बयानबाजी करने पर आपराधिक मानहानि का परिवाद पेश किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

# 'सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल पर वैट की कटौती करने के लिये कमेटी का गठन अभी तक नहीं किया'

## पैट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भाटी ने सरकार की लेट लतीफी पर हैरानी जताई

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 19 सितम्बर। प्रदेश में पेट्रोल पंप डीलर्स संघ की ओर से हड़ताल को स्थगित करे हुए चार दिन बीत चुके हैं, परंतु राज्य सरकार ने अभी तक भी ''एम्पावर्ड कमेटी'' का गठन भी नहीं किया है, जो पेट्रोलियम डीलर्स के साथ चर्चा करके वैट की दरें संशोधित कर कम करने का सुझाव देगी। जैसा कि विदित है कि गत शुक्रवार को राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ की ओर से उनकी हड़ताल पर इस शर्त पर स्थगित किया गया था कि राज्य सरकार ''एम्पावर्ड कमेटी'', जिसमें कम से कम तीन जने पेट्रोलियम डीलर्स संघ के होंगे, का गठन कर वैट की दरें कम करने का सुझाव राज्य सरकार को देगी, और वह उस पर अमल भी करेगी।

- **पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष का कहना है कि, वह अपने ''शिड्यूल'' पर अडिग रहेंगे और 24 तारीख तक हड़ताल पुनः आरंभ नहीं करेंगे।**
- **संघ के अध्यक्ष ने कहा कि, इस बार 24 तारीख के बाद वह लोगों की मांग को देखते हुए ज्यादातर बड़े जिलों में हड़ताल शुरू करेंगे।**

सचिवालय में हुई प्रैस कॉन्फ्रैंस में जब मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से पूछा गया था कि राज्य सरकार ''एम्पावर्ड कमेटी'' के गठन के लिये आदेश कब पारित करेगी, तब उन्होंने भरोसे के साथ ऊंचे स्वरों में कहा था, ''हमने मीडिया में बयान दे दिया है तो इसे आदेश ही समझें।'' प्रताप सिंह खाचरियावास ने मीडिया को यह भी बताया था कि राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ के तीन सदस्यों के अलावा वित्त विभाग के कुछ अधिकारियों को भी इस कमेटी का सदस्य बनाया जायेगा, जो सभी संबंधित पार्टियों से चर्चा कर पेट्रोलियम पर वैट की दरें कम करने का सुझाव राज्य सरकार को देगी। उन्होंने मीडिया को कहा था कि उनकी पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अधिकारियों से चर्चा कई दिनो से चल रही थी, और उनका मानना है कि वैट की दरें कम करने से ना केवल उपभोक्ताओं को लाभ होगा बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को ''एम्पावर्ड कमेटी'' के गठन के संबंध में राज्य सरकार की ओर से कोई आदेश पारित नहीं किये गये, तब मीडिया को यह बताया गया था कि वित्त सचिव सरकारी कार्य से प्रदेश के बाहर गये हुए हैं, उनके आते ही राज्य सरकार कमेटी का गठन भी करेगी ओर आदेश भी पारित करेगी। परंतु सोमवार व मंगलवार को भी राज्य सरकार ने किसी भी कमेटी के गठन के आदेश पारित नहीं किये। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह भाटी ने हैरानी जताते हुए कहा कि यह सही बात है कि सचिवालय की बैठक के चार दिन बाद भी राज्य सरकार ने किसी कमेटी का गठन नहीं किया है जबकि कमेटी को ही 10 दिन का समय अपना प्रस्ताव पेश करने के लिये समय दिया गया था।

उन्होंने कहा कि वह अभी भी अपने दिये गये बयान पर टिके रहेंगे और 24 तारीख तक हड़ताल पुनःआरंभ नहीं करेंगे, ''हम लोगों को दिखाना चाहते हैं कि हम गलत नहीं हैं, पर सरकार गलत है, क्योंकि उसने सबके सामने मीडिया में दिये अपने बयान पर भी खरी नहीं उतरी।'' उन्होंने आगे कहा कि इस बार राज्य सरकार ने अपने दिये गये वचन पर नहीं चले तो 24 तारीख के बाद वह लोगों की मांग को देखते हुए ज्यादातर बड़े जिलों में हड़ताल शुरू करेंगे।

## नए भवन में कार्यवाही स्थगन के साथ राज्यसभा की शुरुआत हुई

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (वार्ता)। नये संसद भवन में राज्यसभा की कार्यवाही की शुरूआत स्थगन के साथ ही हुई और सदन के समवेत होते ही उसकी कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गयी। नये संसद भवन में मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही का पहला दिन था और कार्यवाही की शुरूआत सवा दो बजे से होनी थी। सभापति ने सही सवा दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि वह सदन में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण विचार विमर्श के लिए कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर रहे हैं।

- **सदन की शुरुआत होते ही कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गयी।**

## 'महिला आरक्षण...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

राजनीति से ऊपर उठने, अपनी बात कहने और महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पारित कराने का समय आ गया है। कांग्रेस उन्हें बिना शर्त समर्थन की पेशकश करती है।''

गांधी ने महिला आरक्षण के संबंध में मोदी को 16 जुलाई 2018 में लिखे पत्र को भी पोस्ट किया है, जिसमें वह संसद में महिलाओं को आरक्षण देने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री से उसी साल मानसून सत्र में ही महिलाओं को आरक्षण देने वाले विधेयक को पारित कराने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग की प्रभारी जय राम रमेश ने भी इस एक्स पोस्ट पर डाला है और कहा है, ''कांग्रेस पार्टी लंबे समय से महिला आरक्षण को लागू करने की मांग कर रही है। हम कथित तौर पर सामने आ रहे केंद्रीय मंत्रिमंडल के फ़ैसले का स्वागत करते हैं और विधेयक के विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह से चर्चा की जा सकती थी और पर्दे के पीछे वाली राजनीति के बजाय आम सहमति बनाई जा सकती थी।''

# नए संसद भवन में सबसे पहले...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

विरोधस्वरुप, नये संसद में पहले ही दिन, पहली ही बैठक के बीच कांग्रेस सांसदों के वैल में जाने के प्रयास से कुछ ही क्षण पूर्व, प्रधानमंत्री ने 128 वें संविधान संशोधन विधेयक पर सर्वसम्मति के लिए सदन का आव्हान किया। मेघवाल ने विरोध कर रहे विपक्षी सांसदों से कहा, ''संसद के काम-काज की संशोधित सूची में यह विधेयक शामिल है। यह आपके सम्मुख रखे टैबलेट्स पर भी अपलोड कर दिया गया है।'' लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने नये भवन में अपनी प्रथम टिप्पणी में कहा कि, यू.पी.ए. के शासन काल में 2010 में पारित हुआ विधेयक जीवित है। चौधरी की इस टिप्पणी पर प्रतिवाद करते हुये केन्द्रीय गृहमंत्री ने ऑन रिकॉर्ड चौधरी से कहा कि, या तो इसे प्रमाणित करें या फिर अपनी टिप्पणी को वापस लें।

अधीर रंजन चौधरी को अपनी टिप्पणी को प्रमाणित करने की चुनौती देते हुये, गृहमंत्री ने कहा, ''पूर्ववर्ती विधेयक राज्यसभा ने 9 मार्च, 2010 को पारित किया था। राज्यसभा ने इसे लोकसभा में भेज दिया था तथा यह लोकसभा की सम्पत्ति बन गया था और अन्ततोगत्वा 18 मई, 2014 को लोकसभा के भंग होने के साथ ही, यह रद्द हो गया था।'' शाह ने चौधरी की इस टिप्पणी पर भी उन्हें चुनौती दी कि, यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था तथा राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। नया संसद भवन पुराने दुर्भाव एवं रुखेपन का साक्षी बन गया, जब शाह ने कहा, ''अधीर रंजन की दोनों टिप्पणियाँ तथ्यात्मक रुप से गलत हैं तथा वे या तो प्रमाणित की जानी चाहिये, या वापस ली जानी चाहिये।'' इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि, यह विधेयक महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को लेकर उनकी सरकार के संकल्प को मजबूत करेगा। अति महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनाव से पूर्व, देश की आधी आबादी को आकर्षित करने वाले कदम के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, ''राजनीति में महिलाओं का योगदान तथा नीति-निर्माण में उनकी उपस्थिति बढ़नी चाहिये।'' इस विधेयक में वही प्रावधान हैं जो पूर्व विधेयक में थे। मेघवाल ने कहा कि, इस विधेयक में संविधान के चार अनुच्छेदों के संशोधन शामिल हैं- दिल्ली विधानसभा की एन.सी.टी. में महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाला अनुच्छेद 239 ए.ए., लोकसभा में महिलाओं के लिये एक-तिहाई आरक्षण के लिये अनुच्छेद 330 ए, राज्य विधानसभाओं महिलाओं के एक -तिहाई आरक्षण के लिये अनुच्छेद 332 ए तथा 15 साल तक महिला आरक्षण दिये जाने तथा संसद को इस अवधि को बढ़ाये जाने का अधिकार देने के लिये अनुच्छेद 334ए।

इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद, लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिला उम्मीदवारों के लिये आरक्षित हो जायेंगी। यह विधेयक अगली जनगणना, जो 2026 से पहले नहीं होगी, के बाद होने वाले प्रथम परिसीमन की कवायद के बाद ही लागू होगा। इस विधेयक में, हर परिसीमन के बाद, महिलाओं के लिये आरक्षित सीटें रोटेशन से तय किये जाने का प्रावधान किया गया है। 2026 में, परिसीमन की वर्तमान सीमा हटने के बाद, यह आरक्षण कोटा 2029 के लोकसभा चुनावों तक लागू होने की संभावना है। विधेयक, कोटा के अंदर कोटा प्रदान करता है: लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला- आरक्षण के तहत एक -तिहाई सीटें एस.सी./एस.टी. के लिये अलग रखी जायेंगी।

इससे पूर्व, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण बिल संसद में पेश किए जाने की अटकलों के बीच कहा कि महिला आरक्षण विधएयक ''हमारा है।''

कांग्रेस ने सोमवार को इस कथित कदम का स्वागत किया था तथा कहा था कि, पार्टी लम्बे समय से इसकी मांग कर रही थी। मंगलवार को संसद में प्रवेश करते समय, उससे इस विधेयक के बारे में पूछे जाने पर, श्रीमती गांधी ने कहा था, ''यह हमारा है, अपना है। एक दिन पूर्व, एक्स पर डाली गई अपनी एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था, ''हम केन्द्रीय मंत्रिमंडल के कथित निर्णय का स्वागत करते हैं तथा हमें विधेयक के विवरण की प्रतीक्षा है।'' उन्होंने कहा था, ''इसे गोपनीयता के पर्दे में रखे जाने के बजाय, विशेष सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह चर्चा हो सकती थी तथा सर्वसम्मति बनाई जा सकती थी।'' वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने कहा कि, अगर सरकार मंगलवार को महिला विधेयक पेश कर देती है तो यह ''कांग्रेस तथा यू.पी.ए. सरकार में शामिल उसके मित्र दलों की जीत'' होगी। यू.पी.ए. शासन काल में, यह विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हो गया था। लेकिन यह लोकसभा में नहीं गया था।

यह कहना निष्पक्षतापूर्ण होगा कि विधायिकाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत राजनैतिक आरक्षण उपलब्ध कराये जाने का श्रेय भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही जाता है। कांग्रेस ने प्रक्रिया की पहल की तथा इसे कानून बनाने की अनेक कोशिशें कीं तथा भाजपा ने अन्ततः इस मुद्दे को हाथ में लिया है, बशर्ते यह संसद के दोनों सदनों में पारित हो जाये।

`मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908